सावन, मास , वर्ष-10, अंक 149, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुयये
प्रयागराज बुधवार 21 अगस्त, 2024
TM
नगर संस्करण
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित
Adhunik Samachar
10 वर्ष विश्वास के

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज में न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियो का सर्वांगिन विकास होता है. केंद गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद्र के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृत्ति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियों का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्र-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रो का सिकंदराबाद मे रेलवे में चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद में चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रों का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

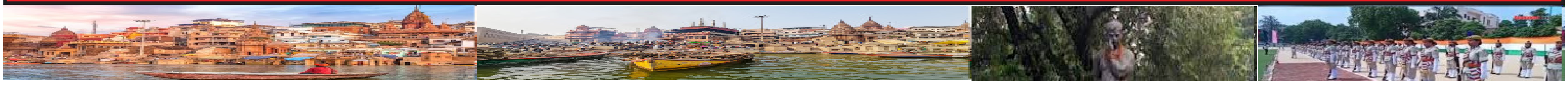

प्रशासन की असफलता पर जनभागीदारी से होगा शवदाहगृह का निर्माण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नैनी, प्रयागराज। गंगा महासभा एवं यमुनापार विकास संघर्ष समिति के तत्वावधान में विभिनन्‍ सामाजिक संगठनों सम्मानित सभासदों तथा स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं की बैठक रविवार को काजीपुर रोड स्थित सुन्दरम गेस्ट हाउस में आकाश जायसवाल के संयोजकत्व में सम्पनन्‍ हुई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ सभासद शिव सेवक सिंह तथा संचालन गजेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।आयोजक भगवती प्रसाद पाण्डेय ने बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहाकि गंगा किनारे शवदाह गृह का निर्माण न होने से समूचे यमुनापार के साथ ही सीमावर्ती जिलों से दाह-संस्कार हेतु शव लाने वाले लोगों को हलाकान होना पड़ता है। वहीं संगम के पास गंदे नालों के मिश्रित जल में श्रद्धालुओं को मजबूरन सनन करना पड़ता है। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित गंगा महासभा के प्रदेश महामंत्री देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि यदि शासन-प्रशासन मां गंगा की पवित्रता बरकरार रख पाने में गंभीर नहीं दिखती हैं तो ऐसे में हम सब मिलकर शवदाहगृह निर्माण कराने को मजबूर होंगे। निगम पार्षद रणविजय सिंह ने कहा कि यदि जिम्मेदार प्रशासन कुम्भ मेला में जनसुविधाओं के प्रति लापरवाही बरततीं है तो हम संघर्ष का रास्ता अख्तियार करने से पीछे नहीं हटेंगे। अन्त में समिति के महामंत्री गजेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि पार्षदों के साथ समाजसेवियों का एक प्रतिनिधि मंडल 20 अगस्त मंगलवार को सुबह 10 बजे महापौर व नगर आयुक्त से मिलेगा तथा समस्याओं से अवगत कराते हुए समाधान हेतु वार्ता होगी। बैठक में विचार व्यक्त करने वालो में पूर्व पार्षद कमलेश सिंह, टी एन मिश्र, शिव शंकर पांडेय, बीबी दुबे, शौमिक सरकार, सुधाकर दुबे, जगदम्बा प्रसाद शुक्ल, दिनेश विश्वकर्मा, विनोद जैकब, के के पाण्डेय, गुलराज सिंह, जितेन्द्र सिंह, कुंवर जी तिवारी, प्रवीण तिवारी, विपिन सिंह, आशुतोष मिश्र, राकेश श्रीवास्तव, सुनीता दुबे, अन्जुम नाज, राजेन्द्र श्रीवास्तव, छेदीलाल कनौजिया, पी पी सिंह, मो निजाम, राम नारायण सिंह आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

बसपा से शिव बरन पासी लड़ेंगे फूलपुर विधानसभा का उपचुनाव, पार्टी ने घोषित किया प्रत्याशी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। वर्ष 2022 के विधानसभा के सामान्य निर्वाचन में फूलपुर विधानसभा और वर्ष 2024 के लोकसभा सामान्य निर्वाचन में फूलपुर संसदीय सीट पर ओबीसी प्रत्याशियों पर दांव लगाने वाली बसपा फिर अपने कैडर की ओर लौटी है और उपचुनाव के लिए अनुसूचित जाति के शिव बरन पासी पर दांव लगा दिया है।बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने फूलपुर उपचुनाव के लिए बिगुल फूंक दिया है। रविवार को सहसों के लाला बाजार में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के लगातार 11 साल तक प्रभारी रहे शिव बरन पासी को फूलपुर उपचुनाव के लिए प्रत्याशी घोषित किया गया। बसपा ने पहली बार किसी उपचुनाव में उम्मीदवार उतारा है। लोकसभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद बसपा उपचुनाव के रास्ते मजबूत वापसी के लिए जुट गई है। वर्ष 2022 के विधानसभा के सामान्य निर्वाचन में फूलपुर विधानसभा और वर्ष 2024 के लोकसभा सामान्य निर्वाचन में फूलपुर संसदीय सीट पर ओबीसी प्रत्याशियों पर दांव लगाने वाली बसपा फिर अपने कैडर की ओर लौटी है और उपचुनाव के लिए अनुसूचित जाति के शिव बरन पासी पर दांव लगा दिया है।इसके साथ ही फूलपुर उपचुनाव के लिए प्रत्याशी घोषित करने वाले दलों में बसपा पहली पार्टी बन गई है। जिलाध्यक्ष पंकज गौतम की अध्यक्षता में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रत्याशी के नाम की घोषणा होने पर कार्यकर्ताओं में जबर्दस्त उत्साह दिखा। मंच के सामने इकट्ठा भीड़ में बड़ी संख्या में पासी के समाज के लोगों की मौजूदगी ने यह संदेश दे दिया कि बसपा अपने कैडर वोटरों के सहारे प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी चुनौती देने के लिए तैयार है। जिलाध्यक्ष पंकज गौतम ने कहा कि पार्टी प्रदेश की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी और जीत भी हासिल करेगी। सभी कार्यकर्ताओं से कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में पार्टी के प्रत्याशी को जिताने के लिए के लिए पूरी ताकत से लग जाएं। सम्मेलन में पूर्व सांसद घनश्याम चंद्र खरवार सहित अखिलेश अंबेडकर राम नाथ रावत, राजू गौतम साहब, आकाश राव, डॉ. जगननथ पाल, सतीश जाटव, प्रेमचंद्र निर्मल, आनंद पासी, अर्जुन सोनकर, मनीष पासी, अरविंद पासी आदि मौजूद रहे। संचालन अभिषेक गौतम ने किया।फूलपुर विधानसभा से उपचुनाव के लिए प्रत्याशी घोषित किए गए शिव बरन पासी 29 वर्षों से बसपा से जुड़े हैं। उन्होंने पार्टी में कई उतार-चढ़ाव भी देखे हैं।

रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष पहुंचीं प्रयागराज, जंक्शन पर महाकुंभ की तैयारियों का लिया जायजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। चेयरमैन रेलवे बोर्ड जया वर्मा सिंह ने मंगलवार की सुबह प्रयागराज जंक्शन का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने महाकुंभ को लेकर चल रहे तमाम विकास कार्यों का जायजा लिया। प्रयागराज जंक्शन की कंट्रोल टावर पर उन्होंने महाकुंभ को लेकर किए जा रहे क्राउड मैनेजमेंट प्लान के बारे में भी जानकारी हासिल की। चेयरमैन रेलवे बोर्ड जया वर्मा सिंह ने मंगलवार की सुबह प्रयागराज जंक्शन का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने महाकुंभ को लेकर चल रहे तमाम विकास कार्यों का जायजा लिया। प्रयागराज जंक्शन की कंट्रोल टावर पर उन्होंने महाकुंभ को लेकर किए जा रहे क्राउड मैनेजमेंट प्लान के बारे में भी जानकारी हासिल की। उन्होंने कंट्रोल टावर में ज्यादा से ज्यादा स्क्रीन लगाने का निर्देश दिया। प्रयागराज जंक्शन से संगम जाने वाली रास्तों के बारे में भी उन्होंने जानकारी ली। इस दौरान सीआरबी ने पूछा कि जंक्शन पर भीड़ मैनेजमेंट के लिए कौन-कौन से उपाय किए जा रहे हैं। यहां का ओवरऑल इंचार्ज कौन होगा।जंक्शन पर उन्होंने स्लीपिंग पॉड का भी जायजा लिया। भीड़ बढ़ने की दशा में किस फुट ओवर ब्रिज का इस्तेमाल होगा, किस अधिकारी को जिम्मेदारी दी जाएगी इसके बारे में जानकारी ली। इस दौरान उत्तर मध्य रेलवे के जीएम उपेंद्र चंद्र जोशी, जीएम उत्तर रेलवे शोभुन चौधरी मौजूद रहीं। डीआरएम प्रयागराज मंडल हिमांशु बडोनी ने स्टेशन की और ट्रैफिक प्लान की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी।

श्रावणी पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाई संगम में डुबकी, महालक्ष्मी और महादेव की आराधना की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज।सावन पूर्णिमा को पितरों की आत्मा की शांति के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। पितरों को तर्पण किया जाता है। पितरों को तर्पण करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुओं ने संगम सनन कर पितरों के लिए तर्पण किया। सावन माह की पूर्णिमा को पितरों के तर्पण के लिए काफी शुभ माना गया है। मान्यता है कि इस दिन गंगा और नदियों में सनन कर पितरों को तर्पण करने से पितरों के साथ ही महालक्ष्मी और महादेव की भी विशेष कृपा मिलती है। सावन पूर्णिमा को पितरों की आत्मा की शांति के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। पितरों को तर्पण किया जाता है। पितरों को तर्पण करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। सोमवार को संगम सहित गंगा और यमुना के अन्य घाटों पर भारी भीड़ रही। लोगों ने डुबकी लगाने के बाद भगवान शिव और महालक्ष्मी की पूजा अर्चना की। श्री बड़े हनुमान मंदिर में भक्तों की लंबी कतार लगी रही। यहां पर श्रीराम जानकी मंदिर, महादेव मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भक्तों ने मत्था टेका। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव और भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करने के लिए श्रावण पूर्णिमा का व्रत रखा जाता है। यह पूर्णिमा सावन के महीने में पड़ती है, इसलिए इसे श्रावणी पूर्णिमा भी कहा जाता है। कहा जाता है कि धन की देवी लक्ष्मी के रूप गायत्री माता का जन्म भी सावन पूर्णिमा के दिन ही हुआ था, इसलिए इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है। संगम तट पर भोर से ही भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी। घाट पर मेले जैसा नजारा रहा। यहां पर पूजन सामग्री के साथ ही सौंदर्य प्रसाधान और खिलौनो के दुकान भी लगे थे। डुबकी लगाने के बाद भक्तों ने गंगा की भी पूजा अर्चना की। साथ ही भगवान सूर्य को जल अर्पित किया।

आधुनिक
गेस्ट हाउस

- वाटर प्रूफ शेड
- पार्किंग की सुविधा
- मन्दिर की सुविधा
- सी.सी.टीवी.
- छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
- 45000 sq. feet. एरिया
- हरे-भरे वातावरण
- AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

SkyZen
INVEST IN INDIA'S FIRST SMART CITY DHOLERA SIR
INVESTMENT START FROM
7,00,000/- Lac
GREAT CHANCE TO BOOK YOUR PLOT
96 67 77 89 47 T & C APPLY

Great Investment Opportunity in India's First Smart City DHOLERA SIR
Don't Think About it's Current Value
Think About it's Future Value
: OPTIONS :
○ Premium Plots
LAND
○ Residential
○ Industrial
○ Commercial
96 67 77 89 47
Most Reliable Developer in Dholera SIR
Investment Start From 7 Lac

DURGAWATI INTERNATIONAL SCHOOL & COLLEGE

URGENT REQUIREMENT

TRAINED & EXPERIENCED TEACHERS

FOR CLASSES VI to XII

SUBJECTS - ENGLISH, MATHS, S.ST , SCIENCE & COMPUTER

RESIDENCE FACILITY ALSO AVAILABLE FOR TEACHERS

Walk in Interview on 23-06-2024

Interested Candidates can send their Resume on the given contacts

Candidate should hold fluent English Communication Skill along with the qualified degrees

For more details Contact on: 7505561664, 9415017879

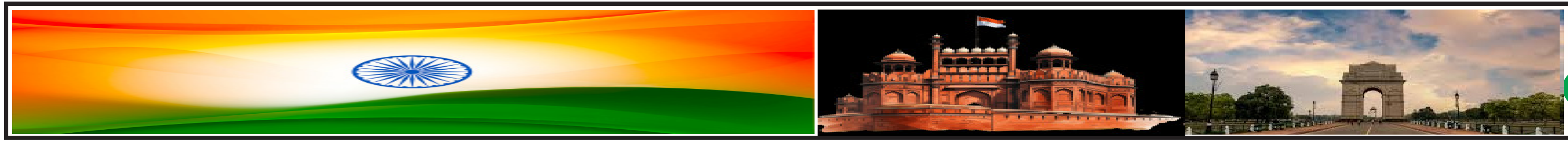

संक्षिप्त समाचार

डॉक्टर हत्या मामले में आरोपी का होगा पॉलीग्राफ टेस्ट, कोर्ट से सीबीआई को मिली अनुमति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

कोलकाता। कोलकाता ट्रेनी डॉक्टर की हत्या का मामला तूल पकड़ रहा है। कोलकाता की एक अदालत ने सीबीआई को संजय रॉय का पॉलीग्राफ टेस्ट कराने की अनुमति दे दी, जिन पर कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक ट्रेनी के साथ बलात्कार और हत्या का आरोप है। विशेष रूप से, संजय रॉय कोलकाता पुलिस से जुड़े एक नागरिक स्वयंसेवक हैं। टेस्ट कब होगा इस बारे में सीबीआई जल्द ही फैसला लेगा कोलकाता की एक अदालत ने सीबीआई को संजय रॉय का पॉलीग्राफ टेस्ट कराने की अनुमति दे दी।सीबीआइ सूत्रों के मुताबिक आरोपित संजय राय का पालीग्राफ टेस्ट कराने की अनुमति कोर्ट से मिल गई है। टेस्ट कब होगा इस बारे में सीबीआई जल्द ही फैसला लेगी। कोलकाता के इस हत्याकांड के मामले में भी सीबीआई संजय राय से कुछ सवाल करेगी इस टेस्ट के जरिए अपराधी झूठ बोल रहा है या सही इसका पता लगाया जाता है। सीबीआई ने सियालदह कोर्ट में मजिस्ट्रेट के सामने याचिका दाखिल की थी। इस तरह के टेस्ट में सीबीआई के कुछ डाक्टरों की एक सीएफएसएल टीम जांच करती है। कोलकाता के इस हत्याकांड के मामले में भी सीबीआइ संजय राय से कुछ सवाल करेगी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में ड्यूटी के दौरान ट्रेनी महिला डाक्टर से दुष्कर्म किया गया और हत्या कर दी गई थी। महिला चिकित्सक का शव नौ अगस्त को अस्पताल के सेमिनार कक्ष के अंदर मिला था। अपराध में कथित संलिप्तता के लिए अगले दिन कोलकाता पुलिस के एक नागरिक स्वयंसेवक संजय राय को गिरफ्तार किया गया था। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 13 अगस्त को मामले की जांच सीबीआई को को सौंपने का आदेश दिया था। सीबीआई ने 14 अगस्त से अपनी जांच शुरू कर दी है।

झमाझम बारिश से हुई दिल्लीवासियों की गुड मॉर्निंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मानसून जाते-जाते दिल्ली-एनसीआर सहित कई राज्यों पर मेहरबान है। मंगलवार की सुबह होते ही राजधानी में भारी बारिश देखने को मिली। भारी बारिश से दिल्ली के आईटीओ की सड़कों पर पानी भर गया। सुबह की सैर पर निकले लोग भीगते हुए घर पहुंचे। ऐसे में बारिश होने से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने कहा है कि दक्षिण बांग्लादेश पर बने निम्न दबाव क्षेत्र के कारण पूर्व और पूर्व-मध्य भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। साथ ही विभाग ने 21-22 अगस्त को झारखंड में वर्षा की चेतावनी जारी की है।मौसम विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार , उत्तराखंड, सिक्किम, असम, मेघालय, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और लक्षद्वीप में अलग-अलग जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा की संभावना है। इसके अलावा कोंकण, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, तटीय आंध्र प्रदेश, तटीय कर्नाटक और दक्षिण कर्नाटक में हल्की बारिश हो सकती है। उत्तर प्रदेश में मानसून मेहरबान उत्तर प्रदेश में भी मानसून मेहरबान दिख रहा है। लखनऊ सहित प्रदेश के कई जिलों में अच्छी बारिश होने से लोगों को उमस से राहत मिली। मंगलवार को भी कई जिलों में बारिश हो सकती है। यूपी के पांच जिलों में होगी तेज बारिश 21 अगस्त को बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी और आसपास के इलाकों में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में लगातार बारिश के चलते जनजीवन पर असर पड़ सकता है। बिहार में कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी पटना समेत बिहार के ज्यादातर हिस्सों में बादलों की आवाजाही बने होने के साथ कुछ जगहों पर छिटपुट तो कुछ जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, जमुई और बांका जिले के एक या दो स्थानों पर गरज-तड़क के साथ भारी वर्षा को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

कांग्रेस को लगा बड़ा झटका, चार में से तीन विधायकों ने पार्टी छोड़ी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

शिलांग। पहाड़ी राज्य मेघालय में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के चार में से तीन विधायकों ने अचानक पाला बदल लिया है। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा की मौजूदगी में सोमवार को कांग्रेस के तीन विधायक नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ज्वाइन की। एक्स पर सीएम संगमा ने लिखा कि विधायकों का पार्टी में शामिल होना एनडीए सरकार के विजन में विश्वास का प्रमाण है। मेघालय में कांग्रेस के तीन विधायकों ने पार्टी का साथ छोड़ दिया। यहां कांग्रेस के पास सिर्फ एक विधायक बचा है। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा की मौजूदगी में सोमवार को तीनों विधायकों ने नेशनल पीपुल्स पार्टी का दामन थामा। संगमा की पार्टी के पास अब विधायकों की कुल संख्या 31 हो गई है। एनडीए के कुल विधायकों की संख्या 46 है। संगमा ने कहा कि कांग्रेस के तीन विधायकों का एनपीपी में स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। उनका शामिल होना हमारी सरकार के विजन में विश्वास का प्रमाण है। अब हमारे पास 60 सीटों वाली मेघालय विधानसभा में 31 सदस्य हैं। इससे हमें पूर्ण बहुमत मिल गया है।

डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज, शीर्ष अदालत ने स्वतः लिया संज्ञान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कोलकाता में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर स्वतः संज्ञान लिया है। मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ सुनवाई करेगी। दो वकीलों ने प्रधान न्यायाधीश को पत्र भेजकर मामले पर स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया था। आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया। अधिवक्ता सत्यम सिंह ने कहा कि फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट्स ऑफ डॉक्टर्स एसोसिएशन ने कोलकाता डॉक्टर हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट द्वारा लिए गए स्वतः संज्ञान जनहित याचिका में हस्तक्षेप आवेदन दायर किया था। एसोसिएशन ने स्वास्थ्य पेशेवरों के संबंध में वर्तमान दिशानिर्देशों के आलोक में एक दिशानिर्देश जारी करने की मांग की सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को एक और याचिका सुनवाई पर लगी है, जिसमें दरिंदगी की शिकार डॉक्टर की पहचान उजागर करने पर चिंता जताते हुए इंटरनेट मीडिया से उसका नाम और फोटो हटाने की मांग की गई है। इस बीच दो और हस्तक्षेप अजिर्यां सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हुई हैं, जिनमें पक्ष रखने की इजाजत मांगी गई है। एक अर्जी दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) ने दाखिल की है, जिसमें कोलकाता केस का शीघ्र ट्रायल मांगा गया है। इसके अलावा अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाने और उन्हें केंद्रीय कंट्रोल रूम से लिंक करने की मांग भी की गई है। एक हस्तक्षेप अर्जी फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ मेडिकल कंसल्टेंट ऑफ इंडिया (एफएएमसीआइ) ने भी दाखिल की है, जिसमें डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई है। इन दोनों अर्जीकर्ताओं की ओर से मंगलवार को होने वाली सुनवाई में अपने मामलों का जिक्र किया जा सकता है। स्वास्थ्यकर्मियों खिलाफ हिंसा का उठा मुद्दा एफएएमसीआई की अर्जी में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ हिंसा का मुद्दा उठाया गया है। कहा गया है कि डॉक्टरों और स्वास्थकर्मियों के प्रति हिंसा और हमले रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने और सुरक्षात्मक कदम उठाए जाने की जरूरत है। इस समस्या से निपटने के लिए तत्काल पूरे देश की खातिर समान दिशा-निर्देश जारी करने की आवश्यकता है। डीएमए भी कर चुका ऐसी मांग केंद्रीय दिशा-निर्देश में हिंसा पर कड़े दंड का प्रविधान किया जाना चाहिए।

दिल्ली में डॉक्टरों ने सड़क पर लगाई ओपीडी बिहार में मरीजों पर भारी पड़ रही हड़ताल रोहतक में निकाला रोष मार्च

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर महिला रेजिडेंट डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में सोमवार को भी देश कई शहरों में डॉक्टर हड़ताल पर रहे और धरना-प्रदर्शन किया देश के कई राज्यों में डॉक्टरों की हड़ताल अब भी जारी है। हड़ताल का असर अब मरीजों पर पड़ने लगा है। बिहार के भागलपुर में 600 मरीजों को बिना इलाज के ही लौटना पड़ा। दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्रालय के कार्यालय निर्माण भवन के बाहर डॉक्टरों ने सड़क पर ओपीडी लगाई। शिमला और रोहतक में भी डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया।राजधानी दिल्ली में रेजिडेंट डॉक्टर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के कार्यालय निर्माण भवन के बाहर सड़क पर ओपीडी लगाकर बैठे और पीडित परिवार को न्याय दिलाने की गुहार लगाई। कई दिनों से हड़ताल के कारण ज्यादातर जगहों पर स्वास्थ्य सेवाएं ठप होने से मरीज बेहाल हैं।

पीएम मोदी से मिले जापान के रक्षा और विदेश मंत्री, कहा- भारत का महत्व अभी जितना कभी नहीं था

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जापान की विदेश मंत्री कामिकावा योको सोमवार को नई दिल्ली आई हैं। वह यहां पर दोनों देशों के बीच मंगलवार को होने वाली टू प्लुस टू वार्ता में शामिल होंगी। इस बैठक में दोनों देशों के विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री हिस्सा लेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के रक्षा और विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। बैठक में दोनों देश रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर विचार करेंगे। इससे पहले जापानी विदेश मंत्री ने कहा, भारत का रणनीतिक महत्व इस समय जितना है उतना पहले कभी नहीं रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को तीसरी भारत-जापान टू प्लुस टू मंत्रिस्तरीय बैठक से पहले जापान के रक्षा और विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि तीसरी भारत-जापान टू प्लुस टू विदेश और रक्षा मंत्रियों की बैठक से पहले जापानी विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री से मिलकर खुशी हुई। आज दोनों देशों के बीच अहम वार्ता होगी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने अपने एक्स पोस्ट में बताया है कि भारत-जापान के कई स्तरों वाले सहयोग को बढ़ाने के लिए मंगलवार को वार्ता होगी। इस वार्ता में भारत की ओर से विदेश मंत्री एस जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भाग लेंगे जबकि जापान की ओर से विदेश मंत्री कामिकावा योको के साथ रक्षा मंत्री मिनोरू किहारा शामिल होंगे। पहली बार भारत आई कामिकावा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात की। वार्ता में समुद्री मार्गों पर मुक्त आवागमन पर गंभीरता से विचार होगा। विदित हो कि भारत का चीन के साथ जमीनी सीमा को लेकर विवाद चल रहा है ।

राहुल गांधी ने की टैक्सी में सवारी,चालक से पूछा- कैसे चलता है गुजारा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।लगातार विभिन्न वर्गों से संवाद कर रहे कांग्रेस नेता व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक नामी एप संचालित टैक्सी में सवारी की है। बाद में उन्होंने यात्रा का वीडियो इंटरनेट प्लेटफार्म एक्स पर प्रसारित भी किया। यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने टैक्सी चालक से पूछा कि उनका गुजारा कैसे चलता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का एक और अलग अंदाज देखने को मिला। उन्होंने एक टैक्सी में सवारी की और ड्राइवर के परिवार को रेस्तरां में खाना भी खिलाया। जब राहुल गांधी ने ऑनलाइन टैक्सी बुक की तो ड्राइवर भी हैरान रह गया। इसके अगले दिन राहुल गांधी का फोन आया। उन्होंने चालक के परिवार से मिलने की इच्छा जताई।राहुल गांधी ने लिखा कि 'हैंड टू माउथ इनकम' में इनका गुजारा तंगी से चल रहा है। न कोई बचत और न ही परिवार के भविष्य का आधार है। इनके समाधान के लिए कांग्रेस की राज्य सरकारें ठोंस नीतियां बनाकर न्याय करेंगी और आईएनडीआईए पूरे संघर्ष के साथ इसका देशव्यापी विस्तार सुनिश्चित करेगा। सुनील के परिवार को रेस्तरां भी ले गए राहुल गांधी कैब चालक सुनील उपाध्याय के परिवार को एक रेस्तरां में खाना खिलाने भी ले गए। इस दौरान बच्चों से संवाद किया और उपहार भी दिए। सुनील मूलरूप से उत्तर प्रदेश के एटा के रहने वाले हैं। वह दिल्ली में टैक्सी चलाते हैं और परिवार के साथ रहते हैं। राहुल ने जताई परिवार से मिलने की इच्छा चालक ने बताया कि अकबर रोड से गुजरते वक्त यह बुकिंग आई तो उन्हें हैरानी हुई कि राहुल गांधी उनकी टैक्सी में सवारी कर रहे हैं। अगले दिन फोन आया और राहुल गांधी ने उनके परिवार के साथ मिलने की इच्छा जताई और फिर ले जाकर खाना खिलाया। साइकिल चला रही बच्ची का बिगड़ा संतुलन, सड़क पर गिरी; सामने से आ रही कार ने रौंदा डिजिटल डेस्क, अहमदाबाद। गुजरात से एक दर्दनाक वीडियो सामने आया है। यहां आवासीय परिसर में चार साल की लड़की साइकिल से गिर गई। इसके बाद एक कार ने बच्ची को रौंद दिया। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। बच्ची की पहचान दिशा पटेल के रूप में हुई है। घटना गांधीनगर के स्पर्श विला सोसायटी की है। यह दर्दनाक घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई। गुजरात से एक दर्दनाक वीडियो सामने आया है। यहां आवासीय परिसर में चार साल की लड़की साइकिल से गिर गई। इसके बाद एक कार ने बच्ची को रौंद दिया। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। बच्ची की पहचान दिशा पटेल के रूप में हुई है।

21 से 23 अगस्त तक विदेश यात्रा पर होंगे पीएम मोदी, 45 सालों बाद पोलैंड जाकर रचेंगे इतिहास यूक्रेन में जेलेंस्की से भी मिलेंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ऐसे समय जब रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लेकर क्षेत्रीय तनाव और बढ़ने के आसार हैं, तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सप्ताह पोलैंड और यूक्रेन की यात्रा पर जाने को तैयार हैं। पीएम मोदी 21-22 अगस्त को पोलैंड और 23 अगस्त को यूक्रेन की यात्रा पर होंगे। वह 45 वर्षों बाद पोलैंड की यात्रा पर जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे, जबकि फरवरी, 2022 में यूक्रेन-रूस युद्ध शुरू होने के बाद यूक्रेन जाने वाले गिने चुने वैश्विक नेताओं में होंगे। मोदी की यूक्रेन यात्रा पर पूरी दुनिया की नजर है, खास तौर पर तब जब रूस की सेना ने वहां के कुछ नए क्षेत्रों में अपनी फौज भेजना शुरू कर दिया है विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा है कि पीएम मोदी की कीव यात्रा का मकसद रूस और यूक्रेन के बीच मध्यस्थता करना नहीं है। लेकिन राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ उनकी बैठक में मौजूदा तनाव का मुद्दा उठेगा। मोदी और जलेंस्की के बीच बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच कई समझौते होने की भी संभावना है।विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल से जब यह पूछा गया कि क्या भारत रूस और यूक्रेन के बीच कूटनीतिक संतुलन साधने की कोशिश कर रहा है, तो उनका जवाब था नहीं भारत के इन दोनों देशों के साथ अलग-अलग रिश्ते हैं। उन्होंने कहा कि रूस भारत का पुराना रणनीतिक साझेदार देश है, लेकिन यूक्रेन के साथ भी भारत लगातार कूटनीतिक संपर्क में है। पीएम मोदी राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ अप्रैल, 2023 और जून, 2024 में दो बार मुलाकात कर चुके हैं। दोनों नेताओं के बीच कई बार टेलीफोन पर भी बातचीत हुई है। मार्च, 2024 में यूक्रेन के विदेश मंत्री ने भारत का दौरा भी किया था। यूक्रेन-रूस युद्ध को लेकर भारत का पुराना मत है कि इस बारे में कूटनीति व वार्ता के जरिये समाधान निकालने की कोशिश होनी चाहिए। पीएम मोदी इस बार जब जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे तब भी यही बात दोहराएंगे।सनद रहे कि आठ-नौ जुलाई को पीएम मोदी ने रूस की यात्रा की थी। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने निजी आवास पर उनके साथ कई घंटे व्यतीत किए थे। अमेरिका ने जताई नाराजगी पीएम मोदी के मास्को दौरे से कुछ ही घंटे पहले रूस ने यूक्रेन में बच्चों के एक अस्पताल पर हमला किया था। इसमें कई बच्चों की जान चली गई थी। मोदी ने इस मसले को राष्ट्रपति पुतिन के साथ बैठक में सार्वजनिक तौर उठाया था। अमेरिका ने मोदी की इस यात्रा को लेकर काफी नाराजगी जताई थी। बहरहाल, अब मोदी शुक्रवार को जब यूक्रेन पहुंचेंगे, तो राजधानी कीव में उनके भव्य स्वागत की तैयारी है। जून, 2024 में जी-7 देशों की बैठक के दौरान मोदी और जेलेंस्की के बीच वार्ता हुई थी, जिसमें यूक्रेन को मदद देने और आर्थिक संबंधों को लेकर चर्चा हुई थी। बताया जा रहा है कि द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को लेकर दोनों देश एक रोडमैप बनाने में जुटे हैं। भारतीय कंपनियां युद्ध के बाद यूक्रेन के पुनर्निर्माण में निवेश करना चाहती हैं।

फेक नरेटिव फैलाने वाले गुब्बारे अब 90 मिनट में होगा नष्ट, निर्वाचन आयोग ने आगामी चुनाव को लेकर बढ़ाई निगरानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।लोकसभा चुनाव के दौरान अपने खिलाफ गढ़े गए फेक नरेटिव को थामने में फेल रहे निर्वाचन आयोग ने आने वाले चुनावों में इससे निपटने के लिए अपनी मुस्तैदी बढ़ा दी है। आयोग ने इसे लेकर एक नई रणनीति तैयार की है। अपने ऊपर लगाए जाने वाले आरोपों, झूठ और दुष्प्रचार पर अब वह चुप नहीं बैठेगा, बल्कि 90 मिनट के अंदर ही उसे ध्वस्त करेगा। आयोग ने यह फैसला ऐसे समय लिया है, जब जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव का एलान हो चुका है, जो सितंबर और अक्टूबर में होना है। आयोग का मानना है कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों की ओर से तरह-तरह के झूठ और दुष्प्रचार फैलाने की कोशिश होती है। जो ठीक गुब्बारे की तरह होते हैं। जिन्हें यदि समय रहते फोड़ा नहीं गया तो वे उड़कर ऊंचाई पर चले जाते हैं। इसके बाद उन्हें फोड़ना कठिन हो जाता है। ऐसे में जरूरत है कि इन्हें समय रहते नष्ट कर दिया जाए। आयोग ने लोकसभा चुनाव के बाद यह स्वीकार किया था कि वह चुनाव के दौरान फैलाए गए फेक नरेटिव को रोकने में फेल रहे। वह इसे समझ नहीं पाए थे। उसी समय आयोग ने कहा था कि अब वह इसे समझ गए हैं और आने वाले चुनावों में इससे निपटने की और तैयारी रखेंगे।लोकसभा चुनाव के दौरान गढ़े गए इन झूठों से ली सबक पहला-पहले चरण के मतदान के बाद मतदान प्रतिशत के कुल आंकड़े देर से जारी करने पर भ्रम फैलाया गया था। इस दौरान चुनाव के बाद मतदान कराने जैसी तरह-तरह की अफवाहें फैलाई गई थीं। हालांकि आयोग ने बाद में इस पर सफाई दी थी और कहा था कि आंकड़ों में कोई गड़बड़ी नहीं हुई है, बल्कि उन्हें टोटल करके जारी नहीं किया गया था। रही बात मतदान की तो मतदान खत्म होने के बाद सभी प्रत्याशियों को प्रत्येक बूथ पर पड़े मतों का पूरा ब्योरा फार्म 17 सी के जरिये दिया जाता है। हालांकि, जब तक आयोग ने सफाई दी, तब तक उसके खिलाफ झूठ फैल गया था। -दूसरा- कांग्रेस की ओर से यह बात फैलाई गई कि चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने 150 कलेक्टरों को फोन किया है और उन्हें धमकाया है। यह झूठ खूब फैलाया गया। बाद में चुनाव आयोग ने इस पर कांग्रेस को नोटिस भी जारी किया था। लेकिन, जब तक उसकी ओर से यह कार्रवाई की गई तब तक देर हो चुकी थी। तीसरा- मतदाता सूची में गड़बड़ी और ईवीएम को लेकर भी झूठ फैलाया गया। इसका समय चुनाव के एलान से ठीक पहले का था। बाद में यह विवाद सुप्रीम कोर्ट तक भी गया। जहां इसे लेकर फैलाए गए झूठ को खारिज किया गया।लोकसभा चुनाव के दौरान अपने खिलाफ गढ़े गए फेक नरेटिव को थामने में फेल रहे निर्वाचन आयोग ने आने वाले चुनावों में इससे निपटने के लिए अपनी मुस्तैदी बढ़ा दी है।

निर्वाचन सदन
NIRVACHAN SADAN
भारत निर्वाचन आयोग
ELECTION COMMISSION
OF
INDIA

पूर्व सेना प्रमुख जनरल सुंदरराजन पद्यमनाभन का चेन्नई में निधन कश्मीर में आतंकियों का सफाया करने में निभाई थी बड़ी भूमिका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

चेन्नई। पूर्व सेना प्रमुख जनरल सुंदरराजन पद्मनाभन का चेनन्ई में निधन हो गया। वह 83 साल के थे। उनको सैन्य हलकों में प्यार से 'पैडी' के नाम से जाना जाता था। वह 30 सितंबर 2000 से 31 दिसंबर 2002 तक थल सेनाध्यक्ष थे। जनरल पद्मनाभन के परिवार में उनकी पतनी, बेटी और एक बेटा है। उनके बच्चे अमेरिका से लौट रहे हैं। जनरल पद्मनाभन का अंतिम संस्कार मंगलवार शाम होगा। दिल्ली में प्रतिष्ठित एनडीसी कोर्स में भाग लेने से पहले जनरल पद्मनाभन ने एक स्वतंत्र ब्रिगेड और एक माउंटेन ब्रिगेड की कमान संभाली थी। 15 कोर कमांडर के रूप में सेवाओं के लिए उन्हें अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया था।पूर्व सेना प्रमुख जनरल सुंदरराजन पद्मनाभन का चेनन्ई में निधन हो गया। 83 साल की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली। जनरल पद्मनाभन के परिवार में उनकी पतनी बेटी और एक बेटा है। उनके बच्चे अमेरिका से लौट रहे हैं। जनरल पद्मनाभन का अंतिम संस्कार मंगलवार शाम होगा। बता दें कि वह जुलाई 1993 से फरवरी 1995 तक कश्मीर घाटी में 15 कोर के कमांडर थे। पांच दिसंबर 1940 को केरल के तिरुवंतपुरम में जन्मे जनरल पद्मनाभन प्रतिष्ठित भारतीय सैन्य कालेज, देहरादून और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे के पूर्व छात्र थे। जनरल पद्मनाभन ने 1988 से फरवरी 1991 तक रांची, बिहार और पंजाब में एक इन्फैंट्री ब्रिगेड की कमान संभाली थी। लेफ्टिनेंट जनरल के रूप में पदोननति के बाद वह जुलाई 1993 से फरवरी 1995 तक कश्मीर घाटी में 15 कोर के कमांडर थे। उनके कार्यकाल के दौरान सेना ने कश्मीर में आतंकियों पर बड़ी बढ़त हासिल की। वह 43 वर्ष से अधिक की प्रतिष्ठित सैन्य सेवा पूरी करने के बाद 31 दिसंबर 2002 को सेवानिवृत्त हुए थे।

मिर्ज़ापुर सोनभद्र

डेढ़ लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने मां विंध्यवासिनी के किए दर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
विंध्याचल। सावन की पूर्णिमा तिथि पर सोमवार को आस्था धाम विंध्याचल में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सुगंधित फूलों और रतन्जडित हार से किए गए मां विंध्यवासिनी के भव्य श्रृंगार के दर्शन कर श्रद्धालु भाव विभोर रहे। घंटा, शंख, नगाड़े व माता के जयकारे से मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। देर शाम तक डेढ़ लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने मां विंध्यवासिनी के दर्शन-पूजन किए।सुबह मंगला आरती के बाद शुरू हुआ दर्शन-पूजन का सिलसिला देर रात तक जारी रहा। मां विंध्यवासिनी के दर्शन-पूजन के लिए कतार में खड़े श्रद्धालु माता का जयकारा लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। मंदिर परिसर में पहुंचकर किसी ने झांकी तो किसी ने गर्भगृह में पहुंचकर शीश नवाया। मंदिर की छत पर अनुष्ठान-पूजन का दौर दिन भर चलता रहा। पूर्णिमा पर आस्थाधाम पहुंचे श्रद्धालु मंदिर से ही मां गंगा के दर्शन कर अभिभूत रहे। कई श्रद्धालु मंदिर के चारों तरफ भ्रमण कर परिक्रमा करने में लगे रहे। उनका कहना था कि विंध्य कॉरिडोर बन जाने से अब परिक्रमा करने में परेशानी नहीं होगी। उधर, विंध्याचल स्थित गंगा घाटों पर सनन के लिए लोगों की भीड़ लगी रही।

हड़ताल के बीच अस्पताल नहीं पहुंचे रेजिडेंट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। कोलकाता में दुष्कर्म और हत्याकांड के मामले में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल की बीच सोमवार को भी मरीज परेशान रहे। मेडिकल कॉलेज के अधीन संचालित जिला अस्पताल में सभी रेजिडेंट चिकित्सक अस्पताल से गायब रहे।तो दूसरी ओर 12 बजे तक की ओपीडी में वरिष्ठ चिकित्सक भी अस्पताल नहीं पहुंचे। पश्चिम बंगाल के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में जूनियर डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में शुक्रवार से रेजिडेंट डॉक्टरों प्रदर्शन जारी हैं।सुबह दस बजे तक कोई भी रेजिडेंट डॉक्टर अस्पताल नहीं पहुंचा। तो वहीं तीन वरिष्ठ चिकित्सकों और वीआईपी ड्यूटी में लगे चिकित्सक के अलावा कोई चिकित्सक नहीं पहुंचा। जबकि जिला अस्पताल के अधीन और मेडिकल कालेज के अधीन वरिष्ठ और जूनियर चिकित्सक और प्रोफेसरों समेत कुल 40 से अधिक चिकित्सक तैनात हैं। इस मौके पर सोमवार को मामले की पड़ताल की गई तो जिला अस्पताल में वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. एसएस पांडेय पहुंचे थे। जो कुछ देर इमरजेंसी में ड्यूटी के बाद ओपीडी में मरीजों को देखते रहे। वहीं दंत विभाग में दो एसआर ड्यूटी करते मिले। फिजिशियन राहुल वार्ड में मरीजों को देखते मिले। इनकी उप राज्यपाल को लेकर वीवीआईपी ड्यूटी लगी थी। वहीं मरीज इधर-उधर भटक रहे थे। अधिकांश ओपीडी कक्ष से दस बजे तक चिकित्सक नहीं पहुंचे थे।

पूर्व प्रधानमंत्री संचार क्रांति के जनक थे: सांसद छोटेलाल खरवार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी की जयन्ती पर जिला महिला कॉग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ऊषा चौबे के अगुवाई न्यारी न्याय सम्मान समरोह पी डब्लूयू डी डाक बंगला मे आयोजित किया गया, सर्वप्रथम बतौर मुख्य अतिथि इंडिया गठबंधन के सांसद छोटे लाल खरवार एवं जिला अध्यक्ष ऊषा चौबे ने संयुक्त रूप से श्रद्धांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का संचालन कर कार्यक्रम शुरू किया गया, इस दौरान राजीव गाँधी द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के दिशा मे किए गए कार्यो पर प्रकाश डाला गया जिला महिला कॉग्रेस अध्यक्ष ऊषा चौबे ने कहा की देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी संचार क्रांति के जनक थे, पंचायती राज को मजबूत बनाने के साथ ही महिला सशक्तिकरण के दिशा मे बेहतर कार्य के लिए जाने जाते थे, जनपद सोनभद्र के विकास मे उनका कार्य अतुलनीय है, ऊषा चौबे ने कहा की आज देश मे महिलाएं सुरक्षित नहीं है, हर रोज महिलाओं और बेटियों पर हो रहे अपराध से हर महिलाये अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर रही है! सांसद छोटे लाल खरवार ने कहा की राजीव गाँधी हमेशा भारत की तरक्की के लिए बेहतर कार्यक्रम संचालित किए थे, दलित, आदिवासियों, शोषितों, महिलाओं के सशक्तिकरण के दिशा मे बेहतर कार्य के लिए जाने जाते थे, राजीव गांधी पुण्यतिथि पर महिलाओं को सम्मानित करने का कार्यक्रम सराहनीय है। अधिवक्ता बिंदु यादव ने कहा की आज महिलाओं को हर क्षेत्र मे आगे बढ़ना होगा,सम्मानित होने वालों मे शांता दीदी, डाक्टर अनुराधा राय, अधिवक्ता गीता गौर, अधिवक्ता पार्वती जी, मिशन की संजू कुशवाहा, मातृत्व फ़ाउंडेशन की बाबी राय, श शि किरण सिंह, राजकुमारी, धर्म शीला, निक्की ,बबीता, गंगा जली,कुसुम, सुनीता, अनीता, को सम्मानित किया गया, उक्त मौके पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष कॉग्रेस अरविंद सिंह, मातृत्व फ़ाउंडेशन के अध्यक्ष जयशंकर भारद्वाज जिला पंचायत सदस्य सुनील सिंह गोंड़,मीडिया प्रभारी शत्रुंजय मिश्रा, मौजूद रहे।

30 हजार से अधिक भक्तों ने शिवद्वार में किया दर्शन- पूजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। श्रावण मास के आखिरी सोमवार को शिवद्वार में बड़ी संख्या में बोल बम एवं डाक बम कांवडि़यों के साथ दर्शनाथिन्यों की भीड़ उमड़ पड़ी। देर रात से जलाभिषेक एवं दर्शन पूजन का सिलसिला शुरू हो गया। आखिरी सोमवार को शिवद्वार धाम में 30 हजार से अधिक कांवड़िया एवं शिवभक्तों ने जलाभिषेक करते हुए दर्शन पूजन किया। विजयगढ़ के रामसरोवर से कांवड़ में जल भरकर करीब पांच हजार डाक बम कांवडि़ए करीब 70 किलोमीटर दौड़ लगाकर सीधे शिवद्वार धाम पहुंचे और नीलकंठ महादेव भोलेनाथ का जलाभिषेक किया।इसके साथ ही मिर्जापुर से गंगा जल और विजयगढ़ से हजारों कांवडि़यों ने जलाभिषेक किया। संपूर्ण घोरावल और शिवद्वार क्षेत्र बोल बम और हर हर महादेव के उद्घोष से गूंज उठा। रात दो बजे मुख्य पुजारी सुरेश गिरि, रामसूचित गिरि, अजय गिरि, शिवराज गिरि, अरविंद गिरि ने भगवान शिवशंकर एवं माता भगवती की प्रतिमा के श्रृंगार व आरती के बाद मंदिर के कपाट खोल दिया गया और इसके बाद जलाभिषेक प्रारंभ हो गया। दर्शन पूजन एवं जलाभिषेक देर शाम तक चलता रहा। घोरावल नगर दशमिहवा तालाब स्थित शिव मंदिर, थनहवा तालाब स्थित शिव मंदिर, दुर्गा मंदिर और ग्रामीण इलाकों के शिव मंदिरों में भी दर्शन पूजन के लिए भक्तों की भीड़ रही। चुर्क रोड रौंप स्थित पंचमुखी महादेव मंदिर, बरैला स्थित अर्धनारीश्वर मंदिर, गौरीशंकर मंदिर, सिविल लाइंस रोड स्थित वीरेश्वर मंदिर, सोमनाथ शिव मंदिर, कांवड़ यात्रा सकुशल संपनन्होने पर श्री शिव-पार्वती मंदिर सेवा समिति की तरफ से प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। मंदिर समिति के मुख्य पुजारी सुरेश गिरि, रामसूचित गिरी,` राहुल पांडेय, बीडीओ गुरुशरन श्रीवास्तव, प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल, क्राइम इंस्पेक्टर शमशेर यादव,चौकी इंचार्ज शिवद्वार शाहिद यादव, लेखपाल विनोद दुबे, संजय मोदनवाल आदि को सम्मानित किया।

हर-हर महादेव के जयकारे से गूंजते रहे शिवालय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। सावन के पांचवें व अंतिम सोमवार को नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के शिवालय पूरे दिन हर-हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान रहे। प्रसिद्ध शिव मंदिरों में अंतिम सोमवार को सुबह से श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। लोगों ने भोलेनाथ का बेलपत्र, भांग, धतूरा, शमी पत्र, मदार पुष्प अर्पित कर जलाभिषेक किया।बरियाघाट स्थित श्रीपंचमुखी महादेव मंदिर में सुबह से ही भीड़ लग गई। गंगा में सनन के बाद मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। श्री तारकेश्वर महादेव मंदिर, पंचमुखी महादेव मंदिर पहुंचकर श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ को बेलपत्र, माला-फूल, भांग, धतूरा, शमी पत्र चढ़ाकर दूध और गंगाजल से जलाभिषेक किया। इसी तरह सत्ती रोड स्थित बूढ़ेनाथ मंदिर, पेहटी चौराहा स्थित नागेश्वर महादेव, मुसफ्फरगंज में प्राचीन शिव मंदिर, घंटाघर में घंटेश्वर महादेव, रमईपट्टी स्थित प्रसिद्धेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक कर श्रद्धालुओं ने सुख समृद्धि की कामना की। विंध्याचल के शिवपुर स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से जलाभिषेक व दर्शन-पूजन के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। कंतितेश्वर महादेव, दुग्धेश्वर महादेव मंदिर में भी शिवभक्तों ने पहुंच कर श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर दर्शन-पूजन किए। पड़री क्षेत्र के छटहां, धरमदेवा, सिकरी रामनगर, अमिरती, कनौराघाट, चंडिका धाम स्थित मंदिरों ने गंगा में सनन के बाद दर्शन-पूजन किए। जिगना क्षेत्र स्थित बाबा बदेवरानाथ मंदिर परिसर हर-हर, बम-बम के उद्घोष से गुंजायमान रहा। सावन के अतिम सोमवार को काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा बदेवरानाथ धाम पहुंच कर जलाभिषेक कर दर्शन-पूजन किए। इसके अलावा विमलेश्वर महादेव हरगढ़, बूढ़ेनाथ, झोरिया महादेव, नगरी नाथ, तालेश्वर महादेव सहित अन्य मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ रही।सावन माह के अंतिम सोमवार को विंध्य क्षेत्र में स्थित शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। मां विंध्यवासिनी मंदिर परिसर स्थित शिवालय के साथ ही शिवपुर स्थित श्री रामेश्वर महादेव, कंतित स्थित श्री कंतितेश्वर महादेव, गजिया में श्री दुदेश्वर महादेव, अष्टभुजा पहाड़ी पर श्री मुक्तेश्वर महादेव, रोडवेज परिसर के पास रूद्रेश्वर महादेव, बावली चौराहा स्थित बाबा बूढ़ेनाथ मंदिर में सुबह से देर शाम तक रूद्राभिषेक व जलाभिषेक का सिलसिला चलता रहा। इस दौरान बाबा भोलेनाथ का तरह-तरह के पुष्पों से श्रृंगार किया गया। विभिनन शिव मंदिरों में देर शाम तक भजन-कीर्तन का सिलसिला भी चलता रहा। रोडवेज परिसर के पास शिवालय में सावन माह की चतुर्थी तिथि पर बाबा भोलेनाथ की भव्य आरती श्रृंगार पूजन के साथ ही भंडारे का आयोजन किया गया। उधर, सावन के पांचवें सोमवार को एक लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने कोटारनाथ का जलाभिषेक कर दर्शन-पूजन किए। सुबह से ही श्रद्धालु अदवा नदी में सनन कर भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक व दर्शन-पूजन के लिए पहुंचने लगे। कोटारधाम पहुंचे शिवभक्तों ने भांग, धतूरा चढ़ाकर जलाभिषेक किया। अदवा नदी के मध्य टीले पर विराजमान प्रसिद्ध कोटारनाथ धाम में क्षेत्रीय भक्तों के अलावा दूर-दराज से काफी संख्या में लोगों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर माता पार्वती के दर्शन-पूजन किए। पुजारी जै राम गिरि व शिवराम गिरि ने बताया कि देर शाम तक एक लाख से ज्यादा लोगों ने जलाभिषेक कर दर्शन-पूजन किए।

भाई को राखी बांधने मायके जाने से रोका तो खा लिया जहर, मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
अहरौरा। रक्षाबंधन पर भाई को राखी बांधने मायके जाने से विवाहिता को पति ने रोका तो नाराज होकर पतनी ने जहर खा लिया। परिजन इलाज के लिए उसे निजी अस्पताल ले गए। जहां हालत बिगड़ने पर उसे रेफर कर दिया गया। नरायनपुर स्थित निजी अस्पताल पहुंचने पर उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।डकही गांव की विवाहिता सीता पटेल सोमवार को रक्षाबंधन के दिन भाई को राखी बांधने मायके जाना चाहती थी, परंतु उसके पति ने रोक दिया। इससे नाराज होकर सीता ने जहर खा लिया। इससे उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। परिजन उसे इलाज के लिए नरायनपुर स्थित निजी अस्पताल ले गए। जहां उसकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष बृजेश सिंह ने बताया कि मायके वालों को बताए बगैर अंतिम संस्कार किए जाने की सूचना मिली तो शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

मांगों को लेकर सीएमओ कार्यालय पर दिया धरना प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिला मुख्यालय स्थित सीएमओ कार्यालय परिसर में मंगलवार को अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ एवं संयुक्त स्वास्थ्य आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारी संघ के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन देते हुए विरोध प्रदर्शन किया गया वहीं जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र शुक्ला व विकास गोस्वामी ने बताया कि एन0एच0एम0 संविदा कर्मचारियो की मांगो को पूरा न किये जाने पर विरोध में प्रदर्शन किया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र शुक्ला ने बताया कि उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ सोनभद्र सम्बद्ध उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ पंजीकरण द्वारा अपने समस्याओं के सम्बन्ध में बीते 12.08. को पत्र के माध्यम से (छायाप्रति संलगन्क) आपको अवगत कराया गया था, परन्तु अभी तक कोई सार्थक पहल न होने के कारण उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारियो में काफी रोष व्याप्त है। एन0एच0एम0 संविदा कर्मचारियो की प्रमुख मांगे निमन्वत् है 1. 151 एन0एच0एम0 कर्मचारियो के कटे हुए माह जुलाई 2024 के मानदेय को जल्द से जल्द आहरित किया जाये। 2. जिन संविदा एन0एन0एम0, स्टाफ नर्स एवं दन्त चिकित्सको के हुए स्थानान्तरण को तत्काल वापस लिया जाये। 3. सी0एच0ओ0 हेतु जारी नवीनतम ए0एम0एस0 अटेंडेन्स जो कि भेदभाव पूर्ण एवं दमनकारी है। जिसकक खिलाफ सी0एच0ओ0 संघ के प्रदेश नेतृत्त्व के पत्र संख्या 59/ सी0एच0ओ0 / अपील/2024 के कम में 14.08.2024 से 22.08.2024 तक एन0एम0एस0 पर अटेंडेंस न लगाकर विरोध कर रहे है। (छाया प्रति संलगन्क) जिन्हे किसी प्रकार से प्रताणित नही किया जाये। 4. कर्मचारियो के समस्याओ के निवारण हेतु जिले स्तर पर जल्द से जल्द जी0आर0सी0 कमेटी का गठन किया जाय। जिस हेतु मिशन निदेशक का पत्र आपके समक्ष दो बार पूर्व में मेरे द्वारा आपको प्रेषित किया जा चुका है। दर्द 5. कर्मचारियो का मानदेय हर महीने 7 तारीख तक आहरित किया जाये। जिस हेतु मिशन निदेशक के द्वारा पत्र जारी किया जा चुका है। 6. एम0डी0 एन0एच0एम0 के कोविड कर्मचारियों के समायोजन हेतु दिनांक 22.07.2024 और 31. 07.2024 का निर्देश दिये गये हैं लेकिन अभी तक समायोजन नहीं किया गया है। संगठन की उपरोक्त समस्त जायज मांगो को पूरा नही किये जाने पर विवश होकर मंगलवार को जिले के समस्त स्वास्थ्य इकाई पर कार्यरत संविदा कर्मचारियो द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पर धरना करते हुए विरोध प्रदर्शन किया गया। अगर उक्त दिवस पर उच्चाधिकारियो द्वारा सहानुभूतिपूर्वक विचार नही किया गया जो संगठन समस्त कार्यों को बन्द करके आगे विरोध प्रदर्शन जारी रखेगा। उपरोक्त विरोध प्रदर्शन के दौरान यदि कोइ विभागीय कार्य प्रभावित होता है तो उक्त हेतु पूर्ण रूप से शासन-प्रशासन जिम्मेदार होगा।इस दौरान शिव सिंह, राजेश, मंदीप, मीरा, अंजलि, सुनीता, वंदना, सोनी, निधि, प्रियंका, आरती, संजना, कौशल्या, राधा, सिंकू, संदीप, अमित, युगवीर, अनुराधा, गोपाल, ललिता, पूजा, अजय, सौरभ, महेश , दिलीप, शिवम, शैलेश, सौरभ, प्रदीप, नेहा केशरी, सुमन, कल्पना, अर्चना, राहुल अजय, पल्लव, रोहित वर्मा, मनोज कुमार सहीत संविदा कर्मी मौजूद रहे ।

भाई के घर के बाहर बाइक सवार ने बहन को मारी टक्कर, मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर/राजगढ़। ददरा गांव के पास रविवार की रात पति के साथ मायके भाई को राखी बांधने आई बहन सड़क पार करने वाली थी, उसी बीच बाइक सवार ने टक्कर मार दी। इस हादसे में घायल बहन को इलाज के लिए सीएचसी राजगढ़ पहुंचाया गया। वहां डॉक्टर ने उसे ट्रॉमा सेंटर मिर्जापुर रेफर कर दिया। ट्रॉमा सेंटर मिर्जापुर में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत होने से बहन भाई को राखी नहीं बांध सकी। भाई की कलाई सूनी रह गई।सोनभद्र जिले के कर्मा गांव निवासी मनीता (40) पतनी राम अचल यादव का मायका राजगढ़ थाना क्षेत्र के ददरा गांव में है। मनीषा अपने पति राम अचल यादव के साथ बाइक से रविवार को देर शाम अपने मायके रक्षाबंधन पर भाई को रखी बांधने आ रही थी। पति ने पतनी के मायके के सामने बाइक रोकी। सड़क उस पार मनीता के भाई का मकान था। पति ने सड़क की दूसरी तरफ बाइक रोक दी थी। मनीता बाइक से उतर कर सड़क पार करने वाली थी, उसी बीच तेज रफ्तार बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दिया। इस हादसे में मनीता गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने उसे ट्रॉमा सेंटर मिर्जापुर रेफर कर दिया। ट्रॉमा सेंटर पहुंचने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत से परिवार में कोहराम मच गया। बहन की मौत से रक्षाबंधन पर भाई की कलाई सूनी रह गई। मनीता से दो पुत्र और एक पुत्री हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। राजगढ़ थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि बाइक की टक्कर से घायल महिला को ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। जहां उसकी मौत हो गई। बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

जमीन संबंधी विवाद में खूनी संघर्ष, 12 घायल, एक रेफर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर। देहात कोतवाली क्षेत्र के अघौली गांव में सोमवार की सुबह जमीन संबंधी विवाद में दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। दोनों पक्ष के लोगों ने धारदार हथियार से हमला किया। मारपीट की इस घटना में दोनों पक्ष के 12 लोग घायल हो गए। घायलों में एक की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उसे वाराणसी रेफर कर दिया।अघौली गांव में सोमवार की सुबह दो पट्टीदार जमीन संबंधी विवाद में आपस में भिड़ गए। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्ष की तरफ से धारदार हथियार हमला किया गया। खूनी संघर्ष में एक पक्ष के मंगल चौहान (50), अरुण चौहान (18), पंकज चौहान (30), अजय चौहान (22), कविता (30), किशन (17) और दूसरे पक्ष के विजेंद्र चौहान (30), अजय (20), रमेश (36), दिलीप (30), सुधरी (65) घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर मिर्जापुर पहुंचाया गया। डॉक्टर ने विजेंद्र की हालत गंभीर देख उसे ट्रॉमा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया। एक पक्ष के अरुण चौहान का आरोप है कि उसकी जमीन पर विपक्षी कब्जा कर रहे हैं और मना करने पर मारपीट की, जबकि दूसरे पक्ष के अजय ने आरोप लगाया कि उसकी जमीन पर विपक्षी कब्जा कर रहे हैं। रोकने पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। देहात कोतवाल अजय सेठ ने बताया कि सरकारी जमीन पर एक पक्ष प्रतिदिन सफाई करता है। दूसरे पक्ष ने वहां गंदगी की थी। सोमवार की सुबह सफाई करते समय एक पक्ष ने गाली दी तो विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर मारपीट हो गई। एक पक्ष की तरफ से तहरीर दी गई है। मामले की जांच कर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

राखी बांधने जा रही वृद्धा की सड़क पार करते समय बाइक की टक्कर से मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
जिगना। मिर्जापुर-प्रयागराज मार्ग पर रनने पट्टी गांव के पास बाइक की टक्कर से राखी बांधने जा रही वृद्धा की मौत हो गई प्रयागराज जिले के मेजा थाने के अमिलिया गांव निवासी शालिनी मिश्रा (60) पतनी हरिमोहन मिश्र सोमवार को बस से राखी बांधने अपने मायके मांडा थाने के सकरी गांव जा रही थीं। शालिनी रनने पट्टी गांव में बस से उतरकर अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे सड़क पार कर रही थीं। उसी बीच जिगना की ओर से जा रहे बाइक सवार ने टक्कर मार दिया। इस हादसे में शालिनी गंभीर रूप से घायल हो गईं। ग्रामीणों ने एंबुलेंस से पीएचसी विजयपुर सरीई भेजवाया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष शैलेश कुमार राय ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल वृद्धा की अस्पताल ले जाने पर मौत हो गई। बाइक को कब्जे में ले लिया गया है।

21अगस्त को बीएसपी ने किया भारत बंद का समर्थन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। बहुजन समाज पार्टी जिला अध्यक्ष बी सागर ने बताया कि जनपद सोनभद्र के बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारियों , कार्यकर्ताओं को सूचित किया जाता है की बहन कु0मायावती राष्ट्रीय अध्यक्ष बसपा पूर्व मुख्यमंत्री (उत्तर प्रदेश)पूर्व सांसद राज्यसभा के निर्देश पर दिनांक 21 अगस्त को एस0सी0 एस 0टी 0 के आरक्षण में वर्गीकरण के खिलाफ भारत बंद के समर्थन में बहुजन समाज पार्टी के सभी कार्यकर्ता गण , जिला कमेटी, बीवी एफ कमेटी, बामसेफ कमेटी ,विधान सभा कमेटी ,जोन कमेटी ,सेक्टर कमेटी , एवं पार्टी के पूर्व पदाधिकरण एवं समर्थक गण अपने अपने साधनों से अधिक से अधिक संख्या में रामलीला मैदान राबर्ट्स गंज में सुबह 10 बजे उपस्थित होकर शांति पूर्वक अनुशासित तरीके से जिला डीएम कार्यालय सोनभद्र पहुंचकर मा0 सुप्रीम कोर्ट द्वारा एस0 सी0 /एस0 टी0 आरक्षण के वर्गीकरण हेतु दिए गए फैसले के विरोध में ज्ञापन दिया जाएगा । उक्त कार्यक्रम की तैयारी हेतु मंगलवार को कार्यक्रम की तैयारी हेतु अति आवश्यक बैठक डा0 अम्बेडकर भवन पुसौली में किया आयोजित किया जाएगा।जिसमे आप सभी उक्त बातों को ध्यान में रखते हुए जिला एवं विधान सभा के महत्व पूर्ण पदाधिकारी उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आप सबकी उपस्थिति अनिवार्य हैं।

स्पोर्ट्स

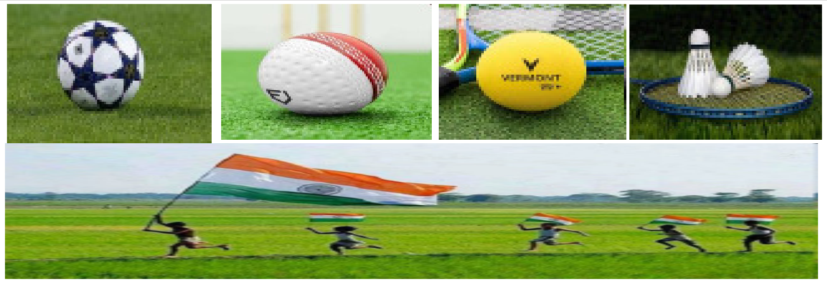

रोहित शर्मा और विराट कोहली के दलीप ट्रॉफी में नहीं खेलने पर भड़क गए सुनील गावस्कर, जसप्रीत बुमराह पर कही बड़ी बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने बांग्लादेश

के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले दलीप ट्रॉफी में रोहित शर्मा और विराट कोहली की गैरमौजूदगी पर चिंता जाहिर की है। गावस्कर का मानना है कि रोहित-विराट को घरेलू मैचों के लिए चुना जाना चाहिए था ताकि उन्हें मैच का समय मिलता और वह अपनी फिटनेस का ध्यान रख पाते। 'लिटिल मास्टर' ने कहा कि जब कोई खिलाड़ी 30 की उम्र को पार कर लेता है तो मांसपेशियों को कमजोर होने से बचाने के लिए अपने स्तर को ऊपर रखना पड़ता है।भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के दलीप ट्रॉफी 2024 में हिस्सा नहीं लेने पर चिंता जाहिर की है। गावस्कर ने कहा कि बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में प्रमुख बल्लेबाज बिना मैच प्रैक्टिस के उतरेंगे। हालांकि जसप्रीत बुमराह को आराम देने पर गावस्कर ने बीसीसीआई की तारीफ की। जानिए लिटिल मास्टर ने क्या कहा। हालांकि, जसप्रीत बुमराह को आराम देने के बीसीसीआई के फैसले की गावस्कर ने सराहना की। पूर्व कप्तान ने मिड-डे में लिखे अपने कॉलम में बताया, ''चयनकर्ताओं ने दलीप ट्रॉफी के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली को नहीं चुना। तो वह बिना ज्यादा मैच अभ्यास के बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने उतरेंगे।'' उन्होंने आगे लिखा, ''जहां यह समझा जा सकता है कि जसप्रीत बुमराह की पीठ का ख्याल रखते हुए उन्हें आराम देना जरूरी है। बल्लेबाजों को कुछ समय पिच पर बिताना चाहिए। एक खिलाड़ी जब किसी खेल में 30 की उम्र पार कर ले तो नियमित प्रतिस्पर्धाओं से उसे अपने स्थापित किए उच्च मानक को बरकरार रखने में मदद मिलती है। जब अंतर बड़ा हो तो मांसपेशियों में कमजोरी आने की संभावना होती है और फिर ऐसे में उच्च मानक को वापस पाना आसान नहीं।'' रोहित-विराट ने कब खेला था आखिरी घरेलू मैच ध्यान देने वाली बात है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा ने क्रमशः 2012 व 2016 में अपना आखिरी घरेलू मैच खेला था। श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में संपन्न तीन मैचों की वनडे सीरीज में रोहित शर्मा ने जहां 58, 64 और 35 रन बनाए, वहीं कोली ने क्रमशः 24, 14 और 20 रन की पारियां खेली। विराट कोहली ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से भी किनारा किया था। उन्होंने जनवरी 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना आखिरी टेस्ट खेला था, जिसमें 46 और 12 रन बनाए थे।

पागलपंती की हद तक,' सूर्यकुमार यादव ने अपनी बहन दीनल के साथ मनाया रक्षाबंधन, शेयर की मजेदार पोस्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टीम इंडिया के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने रक्षाबंधन के मौके पर अपनी बहन दीनल यादव के साथ एक वीडियो

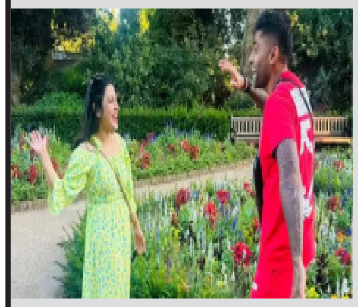

इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की। क्लिप में क्रिकेट स्टार को बहन के साथ मस्ती करते हुए देखा जा सकता है। सूर्यकुमार यादव ने बहन को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि हैप्पी रक्षाबंधन, पागलपन टॉप लेवल पर।गौरतलब हो कि सूर्यकुमार की बहन दीनल एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय सौंदर्य प्रसाधन कंपनी द एस्टी लॉडर कंपनीज में विजुअल मर्चेंडाइजिंग प्लानर के रूप में काम करती हैं। उन्होंने मुंबई में पर्ल एकेडमी से फैशन बिजनेस में मास्टर की डिग्री ली हुई भारतीय टी20 टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने बहन के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। इस मौके पर सूर्यकुमार ने एक इंस्टा स्टोरी शेयर की जिसमें बहन को शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि पागलपन टॉप लेवल पर। वहीं दीनल यादव ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर सूर्यकुमार यादव के साथ फोटो शेयर की और भाई को बधाई दी। भारतीय टी20 टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने बहन के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। इस मौके पर सूर्यकुमार ने एक इंस्टा स्टोरी शेयर की जिसमें बहन को शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि पागलपन टॉप लेवल पर।

वह सब कुछ भूल सकता है, लेकिन रोहित शर्मा के भुलक्कड़ होने पर विक्रम राठौर ने क्या कहा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए उन्हें खिलाड.ियों का कप्तान बताया है। विक्रम राठौर ने खुलासा किया या गेंदबाजी का फैसला किया है या टीम बस में अपना फोन और आईपैड रखा है, लेकिन वह अपना गेमप्लान कभी नहीं भूलता। वह इसमें बहुत अच्छा है और एक बहुत ही चतुर रणनीतिकार है। बता दें कि

कि कप्तान की भुलक्कड़ आदत पर कहा कि वह सब कुछ भूल सकता हैं, लेकिन किसी भी परिस्थिति में गेमप्लान उसके दिमाग से कभी नहीं मिटता है राठौर ने पॉडकास्ट 'फाइंड अ वे विद तरुवर कोहली' पर कहा कि रोहित ने खिलाडियों के कप्तान के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाई है। टीम में खुलेपन का माहौल दिया। राठौर ने आगे कहा कि हर युवा खिलाड़ी, जो भी टीम में शामिल हुए सभी ने रोहित की तारीफ की है। उन्होंने रोहित की सहानुभूति दिखाने की क्षमता पर भी जोर दिया है विक्रम ने कहा, वह भूल सकता है कि उसने टॉस के समय बल्लेबाजी रोहित शर्मा के साथ कई ऐसे मौके आए हैं, जब वह दौरे से पहले या वापस लौटते समय अपना पासपोर्ट भूल गए। एक बार तो वह 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे मैच के दौरान टॉस जीतने के बाद अपना तय किया हुआ फैसाल ही भूल गए थे। रोहित खुद भी अपने भूलने की आदत को मानते हैं। गौरतलब हो कि रोहित शर्मा ने हाल ही में श्रीलंका दौरे पर बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन भारत 0-2 से सीरीज हार गया। अब रोहित आगामी घरेलू सत्र में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेलते हुए नजर आएंगे।

ध्रुव जुरेल ने बताया विराट कोहली का सबसे खास गुण, रोहित शर्मा पर दिया हैरान करने वाला बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ की है। जुरेल ने विराट कोहली के सबसे खास गुण के बारे में बात की। वहीं, रोहित शर्मा को शांत रहने वाला कप्तान बताया। जुरेल ने हाल ही में जिम्बाब्वे दौरे पर भारत के लिए टी20घ् में डेब्यू किया था, लेकिन दो मैचों की एकमात्र पारी में केवल छह रन ही बना सके थे। हालांकि, इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया था। स्पोर्ट्सटैक से बात करते हुए जुरेल ने कोहली के लिए कहा, मैं हमेशा

सीखने की कोशिश करता हूं क्योंकि वह क्रिकेट के दिग्गज हैं। हमेशा नई चीजें सीखने के लिए उत्सुक रहते हैं। जब भी मैंने उनसे बात की, मैंने केवल क्रिकेट के बारे में बात की और जब आप उनके आस-पास होते हैं तो आपको ऐसा लगता है कि एक ऊर्जा काम कर रही है, जो उनका सबसे बड़ा गुण है। रोहित शर्मा के लिए कहा, ईमानदारी से कहूं तो वह (रोहित) बहुत शांत हैं। वह आपसे बात करेगा, वह ऐसा नहीं है कि आप सीनियर या जूनियर हैं। वह हमेशा बहुत सहजता से बात करता है। अगर आपको किसी मदद की जरूरत है तो बस आ जाइए। मुझे कोई परेशानी नहीं है। वह सामान्य है। वह आपको सहज महसूस कराता है।

आईपीएल खिताब को तरसी फ्रेंचाइजी से जुड़ना चाहते हैं रिंकू सिंह 2025 की मेगा नीलामी से पहले किया बड़ा खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज रिंकू सिंह ने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए

विराट कोहली के साथ खेलने की इच्छा जताई है। रिंकू ने बताया कि अगर आईपीएल 2025 मेगा नीलामी से पहले कोलकाता नाइटराइडर्स उन्हें रिलीज करता है तो वो आरसीबी के लिए खेलना पसंद करेंगे। बता दें कि रिंकू सिंह हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज में नजर आएं थे। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने इस सीरीज में अपनी गेंदबाजी से दर्शकों का मन मोहा था और तीसरे मैच में 19वां ओवर किया था। यह मैच भारत ने सुपर ओवर में जीता था। 26 साल के रिंकू सिंह अब 25 अगस्त से शुरू होने जा रही यूपी टी20 लीग में एक्शन में नजर आएंगे। इसमें वह मेरठ मेवरिक्स की अगुवाई करते हुए दिखेंगे। टूर्नामेंट से पहले स्पोर्ट्स तक से बातचीत में रिंकू सिंह ने केकेआर में अपने भविष्य के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ''अभी तो कुछ पता नहीं है। अभी कुछ बताया नहीं कि रिटेंशन होगा या ऑक्शन में जाना है। अभी देखते हैं क्या होता है आगे।'' बाएं हाथ के बल्लेबाज से जब पूछा गया कि अगर केकेआर उनसे रास्ते अलग करती है तो वो किस फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व करना चाहेंगे। इस पर रिंकू ने जवाब दिया, ''रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु।''कैसे रिंकू ने बटोरी चर्चा पता हो कि रिंकू सिंह की विराट कोहली के साथ काफी जमती है। दोनों के पहले कुछ वीडियो वायरल हुए, जिसमें रिंकू सिंह को विराट कोहली से बल्ला मांगते हुए देखा गया था। वैसे, रिंकू सिंह को आईपीएल 2023 से लाइमलाइट मिली, जब उन्होंने 14 मैचों में 474 रन बनाए थे। रिंकू सिंह ने यश दयाल के ओवर में लगातार पांच छक्के जड़े थे और केकेआर को मैच जिताया था। केकेआर को आखिरी पांच गेंदों में 28 रन की दरकार थी। बहरहाल, रिंकू ने आईपीएल में अब तक कुल 45 मैच खेले, जिसमें चार अर्धशतकों की मदद से 893 रन बनाए।

बांग्लादेश क्रिकेट बर्बादी की राह पर, भारत और पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले दिग्गज ने दे दिया इस्तीफा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के देश छोड़ने के बाद से वहां की हालत खराब हो गई है। अचानक

हुए तख्तापलट का असर अब बांग्लादेश क्रिकेट पर भी दिखने लगा है। आगामी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 की मेजबानी पर भी खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में बांग्लादेश क्रिकेट में इस्तीफों का दौर जारी हो गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के क्रिकेट संचालन अध्यक्ष जलाल यूनुस ने तत्काल प्रभाव से अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जलाल ने हवाला दिया कि उन्होंने क्रिकेट के हित में बोर्ड से इस्तीफा दिया है। इसके चलते बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को भारी नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। क्रिकबज से पुष्टि करते हुए जलाल ने कहा कि उन्होंने क्रिकेट के हित में बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। वह मौजूदा बोर्ड से इस्तीफा देने वाले पहले निदेशक है, जो 5 अगस्त को छात्र विरोध प्रदर्शनों के बाद सरकार बदलने के बाद से जांच के दायरे में हैं। भविष्य में बोर्ड में बदलाव आने की उम्मीद है। नजमुल हसन भी दे चुके हैं इस्तीफा बीसीबी अध्यक्ष नजमुल हसन ने भी क्रिकेट के हित में अपने पद से इस्तीफा देने और सरकार के साथ सहयोग करने की इच्छा जताई है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड में नियुक्त अभी तक के सभी सदस्य शेख हसीना के करीब रहे हैं।

मैजिकविन ने किया था टी-20 विश्वकप का अनधिकृत लाइव प्रसारण, ईडी ने मारा छापा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।जून महीने में अमेरिका और

वेस्ट इंडीज में हुए टी-20 विश्वकप के मैचों का अनधिकृत प्रसारण करने वाले मैजिकविन वेबसाइट पर ईडी का शिकंजा कस गया है। अहमदाबाद के साइबर क्राइम थाना के साथ मिलकर ईडी ने मैजिकविन कंपनी के जुड़े दिल्ली-एनसीआर, लखनऊ, बेंगलुरु और कोयंबटूर में 20 स्थानों पर छापा मारा। मनी लांड्रिंग रोकथाम कानून के तहत की गई कार्रवाई में 20 लाख रुपये नकद बरामद किये जाने के साथ ही बैंक में जमा दो करोड़ रुपए को फ्रीज कर दिया गया। इसके साथ ही कंपनी के क्रिप्टो एक्सचेंज में रखे गए 12 करोड़ की क्रिप्टो करेंसी को भी भुनाने पर रोक लगा दी गई है। ईडी के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार मैजिकविन वेबसाइट को मोबाइल, स्मार्ट टीवी और कंप्यूटर कहीं से भी खोला जा सकता है।मनी लांड्रिंग रोकथाम कानून के तहत की गई कार्रवाई में 20 लाख रुपये नकद बरामद किये जाने के साथ ही बैंक में जमा दो करोड़ रुपए को फ्रीज कर दिया गया। इसके साथ ही कंपनी के क्रिप्टो एक्सचेंज में रखे गए 12 करोड़ की क्रिप्टो करेंसी को भी भुनाने पर रोक लगा दी गई है। ईडी के उच्च पदस्थ सूत्रों चौंकाने वाले खुलासे किए। इसी वेबसाइट पर सात जून को हुए आयरलैंड और कनाडा के बीच का और नौ जून को हुए भारत व पाकिस्तान के बीच के मैच का लाइव प्रसारण कर दिया गया।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

विराट और मैं', न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर कोहली पर हुई फिदा, दिल गार्डन-गार्डन करने वाली खाई कसम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर जारा जेटली भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली की बहुत बड़ी हैं। 22 साल की जारा जेटली हाल ही में एक पॉडकास्ट में शामिल हुई, जहां उन्होंने कोहली को गेंदबाजी करना चाहती हैं। साथ ही उनके साथ फोटो खिंचवाने की कसम खा ली है। न्यूजीलैंड के घरेलू क्रिकेट में वेलिंगटन ब्लेज के लिए खेलने वाली जारा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें वह यह करते हुए दिखाई दे रहीं हैं कि वह कोहली के साथ एक तस्वीर क्लिक करने का सपना देखती है, जिसे वह अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा करना चाहती हैं।न्यूजीलैंड की महिला स्पिनर जारा जेटली का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वह विराट कोहली को गेंदबाजी करना चाहती हैं। वह विराट कोहली के साथ एक तस्वीर क्लिक करना चाहती हैं जिसे वह अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर कर सकें। इसके लिए उन्होंने कसम भी खा ली है। जारा ने 'फाइन लेग्स - द क्रिकेट

पॉडकास्ट' पर कहा, हां, यह मेरे लिए बहुत ही बेसिक बात है। मैं गेंदबाजी करना चाहूंगी...महिलाओं का खेल कठिन है, लेकिन मेंस क्रिकेट में, मैं विराट कोहली को गेंदबाजी करना चाहती हूं। अगर मैं विराट कोहली के साथ एक फोटो ले सकूं और उसे इंस्टाग्राम पर डाल सकूं, जो मेरा लक्ष्य होगा। बाद में जारा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए अपने सपनों का भी जिक्र किया। जारा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'विराट कोहली और मैं निश्चित रूप से एक साथ इंस्टाग्राम के लायक तस्वीर लेंगे- मेरी बात याद रखना नेशनल टीम में जगह पाने पर नजर बता दें कि जारा ने महिला सुपर स्मैश के पिछले सीजन में वेलिंगटन को जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ऑकलैंड के ईडन पार्क में हुए फाइनल में द ब्लेज ने कैंटरबरी को 1 रन से हराया था।जारा ने 10 मैच में 5.59 की इकॉनमी रेट से 9 विकेट चटकाए। वन डे प्रतियोगिता में, जहां वेलिंगटन उपविजेता रहा, वहीं, जारा ने 11 मैच में 3.71 की इकॉनमी रेट से 17 विकेट चटकाए। इस युवा गेंदबाज की नजर जल्द से जल्द राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने पर है।

सम्पादकीय

इतिहास में जहर घोलने का षड्यंत्र, ब्राह्मणों और बौद्धों के बीच गढ़ा जा रहा बैरभाव

यह भी याद रहे कि नालंदा महाविहार की स्थापना हिंदू सम्राट कुमारगुप्त ने की थी किसी बौद्ध ने नहीं। 200 गांवों का दान देकर आय का स्थिर स्रोत सम्राट हर्षवर्धन ने बनाया। वहां शिक्षा का माध्यम संस्कृत था जिसे सीखना अनिवार्य था । विहार में बौद्ध वाङ्मय के साथ तर्कशास्त्र व्याकरण चिकित्सा खगोल और अथर्ववेद भी पढ़ाए जाते थे । बिहार में जन्मे ब्रितानी विचारक जार्ज आरवेल का कथन है, ठलोगों को मिटाने का सबसे कारगर उपाय यह है कि उनकी अपने इतिहास की समझ को मिटा दिया जाए।ठ प्राचीन भारत के इतिहास को लेकर कुछ ऐसा ही खेल चल रहा है। हमारे प्राचीन इतिहास के लिखित प्रमाण कम मिलते हैं। इसी का लाभ उठाकर उस काल के शासकों और ब्राह्मणों को हूण और इस्लामी लुटेरों जैसा असहिष्णु बताकर बौद्ध धर्म की विरासत के विनाश का ठीकरा उनके सिर फोड़ने के प्रयास चल रहे हैं, ताकि हिंदुओं और बौद्धों के बीच बैरभाव की दीवार खड़ी हो सके। इसकी शुरुआत पुष्यमित्र शुंग को बौद्ध धर्म का विध्वंसक बता कर की जाती है। कुछ बौद्ध ग्रंथों में उसे बौद्ध भिक्षुओं का संहारक और स्तूपों का विनाशक बताया गया है। इसका पहला उल्लेख तीसरी से पांचवीं सदी के बीच लिखे गए बौद्ध जातक अशोकावदान में मिलता है। इसमें कहा गया है कि पुष्यमित्र ने पटना के पास कुक्कुटाराम विहार पर चढ़ाई करके बौद्ध भिक्षुओं का संहार किया और वहां से उसने स्यालकोट जाकर हर भिक्षु के सिर के लिए सौ रोमन दीनार देने का ऐलान किया। बौद्ध महायान शाखा के आठवीं सदी के ग्रंथ मंजुश्रीमूलकल्प में कहा गया है कि गोमिमुख नामक राजा ने कश्मीर से पूरब क्षेत्रों में स्थित विहारों और भिक्षुओं का विनाश किया। बौद्ध ग्रंथों में पुष्यमित्र शुंग की बौद्ध धर्म विरोधी हिंसा के इन उल्लेखों को लेकर कई समस्याएं हैं। एक तो ये ग्रंथ पुष्यमित्र के काल से 400 से 1700 साल बाद के हैं। दूसरे, इनमें हिंसा की घटनाओं के वर्णन में बड़ा अंतर है। तीसरे, अशोकावदान में जिन रोमन दीनारों का ईनाम देने की बात कही गई है, वे पुष्यमित्र के समय चलन में ही नहीं थे। चौथे, पुष्यमित्र के ब्राह्मण होने का कोई प्रमाण नहीं है।अशोकावदान ने तो उसे मौर्यवंश का आखिरी राजा बताया है और हर्षवर्धन के राजकवि बाणभट्ट ने अनार्य। पांचवीं बड़ी समस्या यह है कि अभिलेखीय प्रमाण और चीनी बौद्ध यात्रियों के यात्रा संस्मरण पुष्यमित्र का बौद्ध विरोधी होना साबित नहीं करते। न ही शुंगकालीन किसी ऐसे हिंदू मंदिर या मठ के अवशेष मिलते हैं, जिन्हें पुष्यमित्र या उसके वंशजों ने बौद्ध विहारों को तोड़कर बनाया हो। बौद्ध धर्म का भारत से लोप होने के दो बड़े कारण हो सकते हैं। पहला, बौद्ध धर्म और दर्शन में कोई ऐसी प्रमुख विशेषता न दिखना, जो उसे हिंदू धर्म और दर्शन से विशिष्ट और आकर्षक बना सके। दूसरा, हूणों और इस्लामी आक्रांताओं के हमले, जिन्होंने बौद्ध विहारों को ध्वस्त किया और भिक्षुओं को मार भगाया। बौद्ध स्तूपकला के उत्कृष्टतम नमूनों में से एक भरहुत का शिलालेख बताता है कि वह पुष्यमित्र के शासनकाल में बना। उसी के शासनकाल में सांची के स्तूप का विस्तार हुआ। मथुरा से मिला शिलालेख बताता है कि पुष्यमित्र के सामंत धनभूति ने वहां के एक बौद्ध संघाराम के लिए तोरण द्वार और परकोटे का दान किया। पुष्यमित्र के पुत्र अगिनमित्र का तो अमात्य ही बौद्ध भिक्षु था। स्पष्ट है ब्राह्मणों और बौद्धों के बीच जिस बैरभाव का इतिहास गढ़ा जा रहा है, वह कभी था ही नहीं। इसीलिए चीन से आने वाले बौद्ध यात्रियों फाह्यान, हुआन त्सांग और इत्सिंग ने अपने यात्रा संस्मरणों में न पुष्यमित्र की हिंसा का कोई उल्लेख किया और न हिंदुओं और बौद्धों के बैरभाव का।आजकल कुछ वामपंथी इतिहासकारों ने नालंदा महाविहार के विध्वंस का इतिहास बदलने का अभियान छेड़ रखा है। उनका कहना है कि नालंदा के रतनेदधि, रतन्सागर और रतन्रंजक नाम के पुस्तकालयों को बख़्तियार ख़िलजी ने नहीं, बल्कि एक ब्राह्मण साधु ने जलाया। एक अकेले साधु का हजारों भिक्षुओं और रक्षकों के होते हुए लाखों किताबों वाले पुस्तकालय की तीन इमारतों को अपनी सिद्धि के बल से जलाकर भस्म कर देना साफ तौर पर किंवदंती है, इतिहास नहीं। तुर्क लुटेरों और ख़ासकर बख़्तियार ख़िलजी की लूटपाट और हिंसा सबसे प्रामाणिक उल्लेख फारसी इतिहासकार मिन्हाज अल-सिराज 12 60 में लिखी गई किताब तबक़ात-ए-नासिरी से मिलता है। इसमें लिखा है कि विहारों को किले समझकर हमले करने वाले बख़्तियार ने बौद्ध भिक्षुओं को सिरमुंडे ब्राह्मण समझकर उनका कत्ले-आम किया और इमारतों से धन-दौलत की जगह पुस्तकें मिलने पर उन्हें नष्ट किया। उसके द्वारा ध्वस्त किए गए विहारों में विक्रमशिला और ओदंतपुरी के नाम तो हैं, पर नालंदा का नाम नहीं है। इसी आधार पर तर्क दिया जा रहा कि बख़्तियार ने नालंदा और उसके पुस्तकालयों को ध्वस्त नहीं किया, पर यह सही नहीं, क्योंकि नालंदा में रहकर गए बौद्ध लामा धर्मस्वामी ने अपने संस्मरण में तुर्क लुटेरों के आक्रमणों से हुई नालंदा महाविहार की दुर्दशा का विस्तार से वर्णन किया है।

खतरा बनते बांग्लादेशी घुसपैठिये, भारत को पड़ोसी राज्यों पर रखनी होगी पैनी नजर

विगत पांच दशक में असम में मुस्लिम जनसंख्या 8.92 प्रतिशत बढ़ने पर न्यायालय ने एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) बनाने का आदेश दिया था। जबकि झारखंड के साहिबगंज और पाकुड़ जिले में तो 14 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम आबादी बढ़ी है । मुस्लिम आबादी में हुई यह भारी वृद्धि भारतीय मुसलमानों के कारण नहीं बल्कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण है पड़ोसी देश बांग्लादेश में तख्तापलट की घटना के बाद वहां अराजकता फैली हुई है। ऐसे में वहां से एक बार फिर बड़े पैमाने पर घुसपैठियों के भारत आने की आशंका पैदा हो गई है। इससे झारखंड, असम और बंगाल जैसे राज्य प्रभावित हो सकते हैं। वैसे बांग्लादेश से मुस्लिमों की घुसपैठ की समस्या दशकों पुरानी है।आजादी के बाद वर्ष 2011 तक राष्ट्रीय स्तर पर हिंदू 4.28 प्रतिशत घटे, लेकिन झारखंड के संताल परगना में हिंदू 22.42 प्रतिशत घटे। कुल जनसंख्या में जनजाति/आदिवासी समाज भी 44.66 से घटकर 28.11 प्रतिशत पर आ गया। यानी इसकी आबादी में 16.55 प्रतिशत की कमी आई। राष्ट्रीय स्तर पर ईसाई जनसंख्या वृद्धि दर 231 प्रतिशत थी तो संताल परगना में यह 6748 प्रतिशत से ज्यादा थी। राष्ट्रीय स्तर पर मुस्लिम भले ही 4.31 प्रतिशत बढ़े हों, पर संताल परगना में 13.3 प्रतिशत बढ़े। इस कारण वहां जनजाति समाज का पलायन हो रहा है। वर्ष 1951 में संताल परगना की कुल जनसंख्या 23,22,092 थी, जिसमें हिंदू 20,98,492 (90.37 प्रतिशत), मुस्लिम 2,19,240 (9.43 प्रतिशत) तथा ईसाई 4,289 (0.18 प्रतिशत) थे। कुल जनसंख्या में जनजातीय लोग 10,37,167 (44.66 प्रतिशत) थे। 2011 की जनगणना में संताल परगना की कुल जनसंख्या 69,69,097 हो गई, जिसमें हिंदू 47,35,723 (67.95 प्रतिशत), मुस्लिम 15,84,285 (22.73 प्रतिशत), ईसाई 2,93,718 (4.21 प्रतिशत) थे। कुल जनसंख्या में जनजातीय लोग 19,59,133 (28.11 प्रतिशत) थे। संताल परगना अब पाकुड़, साहिबगंज, गोड्डा, देवघर, दुमका और जामताड़ा यानी छह जिलों में बंट गया है। आंकड़े बताते हैं कि 1961 से 2011 के बीच राष्ट्रीय स्तर पर मुस्लिम आबादी 3.54 प्रतिशत बढ़ी, पर इनकी आबादी साहिबगंज में 14.7 प्रतिशत, पाकुड़ में 13.84 प्रतिशत, जामताड़ा में 8.91 प्रतिशत, गोड्डा में 7.39 प्रतिशत तथा देवघर में 5.82 प्रतिशत बढ़ी। इसी दौरान जनजाति/आदिवासी समाज की जनसंख्या पाकुड़ में 14.53 प्रतिशत तथा साहिबगंज में 12.66 प्रतिशत घटी। संताल परगना की आबादी में हो रहे इस अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को देखते हुए गत वर्ष झारखंड हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई। इसमें यह आरोप लगाया गया कि झारखंड के कुछ जिलों में सुनियोजित तरीके से मुस्लिमों की घुसपैठ कराई जा रही है तथा आदिवासी लड़कियों से विवाह कर उनका मतांतरण कराया जा रहा है। वहां स्थित मदरसों में देश विरोधी कार्य हो रहे हैं। ऐसे 46 मदरसों की सूची भी न्यायालय को सौंपी गई। इस पर कोर्ट ने केंद्र एवं राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। राज्य सरकार की विशेष शाखा ने भी प्रदेश के सभी उपायुक्तों, पुलिस अधीक्षकों को एक पत्र भेजा, जिसमें कहा गया कि संताल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों के प्रवेश की सूचना मिली है। ये घुसपैठिये विभिनन् मदरसों में आकर ठहरते हैं, सरकारी दस्तावेज तैयार कर अपना नाम मतदाता सूची में चढ़वाते हैं और यहीं बस जाते हैं। इनके अन्य जिलों में भी प्रवेश की आशंका है। इसके बावजूद राज्य सरकार के अधिकारियों ने कोर्ट में दिए शपथपत्र में घुसपैठ को अस्वीकार कर दिया। इस पर नाराज कोर्ट ने आइबी, बीएसएफ और चुनाव आयोग को प्रतिवादी बनाया है तथा सभी को शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। अब राज्य सरकार ने भी जवाब दाखिल करने के लिए फिर से समय की मांग की है। संताल परगना बहुत पहले से इस्लामिक ताकतों की नजर में रहा है। वर्ष 2011 की जनगणना में 5,857 मुस्लिम जनजाति दर्ज हैं। इन दिनों जनजाति लड़कियों से मुसलमान लोभ-लालच देकर विवाह कर रहे है, ताकि वे जनजाति समाज की भूमि पर कब्जा कर सकें। उनकी जमीनों को कब्जा करने के लिए लव जिहाद चलाया जा रहा है। संताल परगना में मुस्लिम राजनीति भी काफी प्रभावी है। जिस इलाके में मुस्लिम प्रभावी हो जाते हैं उसे काटकर अलग प्रखंड बनवा लेते हैं। जैसे कि देवघर जिले के कैरो प्रखंड में 1961 में मुस्लिम आबादी मात्र 23 प्रतिशत थी। इससे काटकर मागी मुंडा प्रखंड बनाया गया है, जहां अब मुस्लिम आबादी 48.35 प्रतिशत हो गई है। गोड्डा जिले के पथरगामा प्रखंड में 1961 में मुस्लिम आबादी 19.18 प्रतिशत थी। इससे काटकर बसंतराई प्रखंड बना है जहां अब मुस्लिम आबादी 50.02 प्रतिशत है। साहिबगंज जिले के राजमहल से काटकर बने उधवा प्रखंड में भी मुस्लिम आबादी अब 63.73 प्रतिशत है। इन बांग्लादेशी घुसपैठियों ने संताल परगना में आतंक मचा रखा है। साहिबगंज की रेबिका पहाड़िन और दुमका की अंकिता सिंह की निर्मम हत्या की कहीं राष्ट्रीय मीडिया में चर्चा नहीं हुई। दिलदार अंसारी ने रेबिका के 50 टुकड़े कर दिए थे। वहीं अंकिता सिंह को नईम ने पेट्रोल डाल कर जला दिया था। झारखंड में 2016 में बनी स्थानीय/डोमिसाइल नीति इस समस्या को और बढ़ा रही है, जो बांग्लादेश से आने वाले शरणार्थियों एवं घुसपैठियों में अंतर नहीं करती। भूमिहीन के मामले में ग्रामसभा को पहचान का जो अधिकार दिया गया है, उसका लाभ लेकर मुस्लिम मुखिया एवं सरपंच के माध्यम से घुसपैठिये स्थानीय होने का कागज बनवा लेते हैं। विगत पांच दशक में असम में मुस्लिम जनसंख्या 8.92 प्रतिशत बढ़ने पर न्यायालय ने एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) बनाने का आदेश दिया था। जबकि झारखंड के साहिबगंज और पाकुड़ जिले में तो 14 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम आबादी बढ़ी है। मुस्लिम आबादी में हुई यह भारी वृद्धि भारतीय मुसलमानों के कारण नहीं, बल्कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण है। झारखंड हाई कोर्ट ने इन घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें देश से निकालने के लिए जो पहल की है वह स्वागतयोग्य है। आशा है कोर्ट एनआरसी की भी पहल करेगा।

सेबी की कहानी का सच लगातार पीछे क्यों जा रहा

अगर आप अंधविश्वास, नाटक और अराजकता को हटा दें तो किसी कहानी में से आप सच को पा लेंगे। लेकिन सेबी की कहानी का सच लगातार पीछे क्यों जा रहा है भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की कहानी ने व्यापार और आर्थिक जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है। शर्लक होम्स ने कहा है, झअगर आप अंधविश्वास, नाटक और अराजकता को हटा दें तो आपके पास सिर्फ तथ्य बचेंगे।ङ्ग इस कहानी में अंधविश्वास यह है कि सरकार हमेशा लोगों के हित में बोलती और काम करती है। नाटक यह है कि बड़े व्यवसायी छोटे निवेशकों के खिलाफ खड़े हो जाते हैं और आखिर में हम खून-खराबे से बचना चाहते हैं। अराजकता यह है कि अनेक लोग अनेक तरह से आवाजें उठाते हैं, जो सिर्फ शोर बनकर रह जाती हैं। मुख्य सवाल यह था कि एक व्यावसायिक समूह में निवेश का स्रोत क्या था समूह ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया और दावा किया कि पैसा वैध था। संदेह करने वालों ने आरोप लगाया कि पैसा ओवर-इनवॉइसिंग और राउंड-ट्रिपिंग के माध्यम से था और यह अवैध था। सेबी ने मामले की जांच की और कहा कि पहली नजर में कुछ भी गलत नहीं पाया गया, लेकिन संदेहकर्ता इससे संतुष्ट नहीं थे। अंततः सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच के लिए न्यायाधीश सप्रे की निगरानी में पांच सदस्यों की समिति को जांच कर रिपोर्ट देने को कहा। यहां यह जानना महत्वपूर्ण है कि जस्टिस सप्रे समिति ने क्या पाया और क्या नहीं? समिति ने पाया कि इसमें 13 निवेशक थे, जिनमें से 12 विदेशी पोर्टफोलियो वाले निवेशक (एफपीआई) थे। इससे लाभ प्राप्त करने वाले प्रत्येक एफपीआई मालिक के नाम उजागर किए गए, लेकिन इस कड़ी के आखिरी निवेशक का नाम नहीं बताया गया, क्यों? क्योंकि इस अंतिम निवेशक का नाम उजागर करने की जरूरत 2018 में खत्म कर दी गई थी। सेबी ने फिर भी अक्तूबर 2020 से 13 विदेशी संस्थाओं के स्वामित्व की जांच की, लेकिन उसका नतीजा कुछ भी नहीं निकला। समिति की टिप्पणी तीखी थी- इस तरह की जानकारी के बिना सेबी स्वयं के द्वारा किए जा रहे संदेह को संतुष्ट करने में असमर्थ है। प्रतिभूति बाजार नियामक को इस बात की आशंका है कि कुछ गलत हुआ है, लेकिन यह भी पाया गया कि संबंधित नियमों में विभिनन्‍ शर्तों का पालन भी किया गया है। ऐसे में देखा जाए तो यह रिकॉर्ड मुर्गी और अंडे वाली स्थिति को दिखाता है।इससे जुड़े सवाल पर कि क्या लाभार्थी मालिक, निवेश करने वाली कंपनियों के 'संबंधित पक्ष' थे।

अक्षय ऊर्जा अपनाना समय की मांग, यही है भविष्य का इकलौता विकल्प

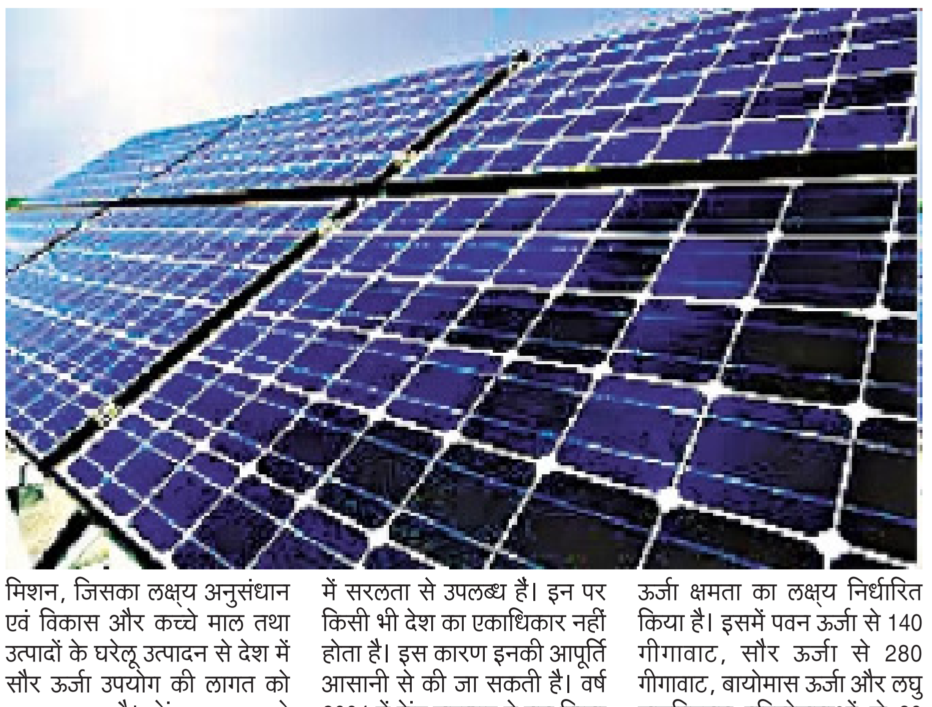

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई नए कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जैसे राष्ट्रीय सौर ऊर्जा मिशन, जिसका लक्ष्य अनुसंधान एवं विकास और कच्चे माल तथा उत्पादों के घरेलू उत्पादन से देश में सौर ऊर्जा उपयोग की लागत को कम करना है। केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन भी किया गया है।पिछले चार-पांच दशकों में विश्व की बढ़ती हुई आबादी के लिए ऊर्जा की मांग काफी तेजी से बढ़ रही है। इस मांग को नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से पूरा किया जा सकता है। अब नवीकरणीय ऊर्जा ही भविष्य का इकलौता विकल्प रह गया है, क्योंकि यही कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करके पर्यावरण की सुरक्षा करने में मददगार है। नवीकरणीय ऊर्जा विकल्प प्रचुर मात्रा में सरलता से उपलब्ध हैं। इन पर किसी भी देश का एकाधिकार नहीं होता है। इस कारण इनकी आपूर्ति आसानी से की जा सकती है। वर्ष 2004 में केंद्र सरकार ने तय किया था कि 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा दिवस के तौर पर मनाया जाएगा, ताकि अक्षय ऊर्जा या नवीकरणीय ऊर्जा के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके। पिछले कई दशकों से हम जिन ऊर्जा स्रोतों का जीवाश्म ईंधन के रूप में उपयोग करते आ रहे हैं, वे सीमित हैं। निरंतर दोहन के कारण उनका भंडार कम होता जा रहा है। दूसरी बात है कि जीवाश्म ईंधन प्रदूषणकारी भी हैं। ऐसे में केंद्र सरकार ने 2030 के अंत तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसमें पवन ऊर्जा से 140 गीगावाट, सौर ऊर्जा से 280 गीगावाट, बायोमास ऊर्जा और लघु जलविद्युत परियोजनाओं से 80 गीगावाट ऊर्जा हासिल करने का लक्ष्य शामिल है। पिछले चार-पांच दशकों में विश्व की बढ़ती हुई आबादी के लिए ऊर्जा की मांग काफी तेजी से बढ़ रही है। इस मांग को नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से पूरा किया जा सकता है। अब नवीकरणीय ऊर्जा ही भविष्य का इकलौता विकल्प रह गया है, क्योंकि यही कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करके पर्यावरण की सुरक्षा करने में मददगार है। नवीकरणीय ऊर्जा विकल्प प्रचुर मात्रा में सरलता से उपलब्ध हैं। इन पर किसी भी देश का एकाधिकार नहीं होता है। इस कारण इनकी आपूर्ति आसानी से की जा सकती है। वर्ष 2004 में केंद्र सरकार ने तय किया था कि 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा दिवस के तौर पर मनाया जाएगा, ताकि अक्षय ऊर्जा या नवीकरणीय ऊर्जा के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके। पिछले कई दशकों से हम जिन ऊर्जा स्रोतों का जीवाश्म ईंधन के रूप में उपयोग करते आ रहे हैं, वे सीमित हैं। निरंतर दोहन के कारण उनका भंडार कम होता जा रहा है। दूसरी बात है कि जीवाश्म ईंधन प्रदूषणकारी भी हैं। ऐसे में केंद्र सरकार ने 2030 के अंत तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसमें पवन ऊर्जा से 140 गीगावाट, सौर ऊर्जा से 280 गीगावाट, बायोमास ऊर्जा और लघु जलविद्युत परियोजनाओं से 80 गीगावाट ऊर्जा हासिल करने का लक्ष्य शामिल है। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2035 तक देश में सौर ऊर्जा की मांग सात गुना तक बढ़ने की संभावना है। सौर ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ाने से जीडीपी दर भी बढ़ेगी। हमारे देश ने संकल्प लिया है कि वर्ष 2030 तक बिजली उत्पादन की हमारी 40 फीसदी स्थापित क्षमता ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों पर आधारित होगी। राष्ट्रीय पवन-सौर स्वच्छता नीति-2018 के अनुसार, पवन-सौर ऊर्जा उत्पादन के वर्तमान लक्ष्य 80 गीगावाट को वर्ष 2022 तक दोगुने से भी ज्यादा अर्थात 225 गीगावाट तक पहुंचाने का लक्ष्य है। सरकार द्वारा ग्रिड से जुड़े हुए रूफटॉप और छोटे सौर ऊर्जा संयंत्र कार्यक्रमों का भी क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिनके तहत अलग-अलग क्षेत्रों में 2100 मेगावाट की क्षमता स्थापित की जा रही है। इस कार्यक्रम में सामान्य श्रेणी वाले राज्यों में लागत के 30 प्रतिशत तक और विशेष श्रेणी वाले राज्यों में लागत के 70 प्रतिशत तक केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय सहायता मुहैया कराई जा रही है। हालांकि नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में कई चुनौतियां भी हैं। लोगों में नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर जागरूकता का अभाव है, जिससे उपलब्ध क्षमता के बावजूद भी नवीकरणीय ऊर्जा का दोहन काफी कम है। साथ ही कुशल मानव संसाधनों का भी अभाव है। भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए बुनियादी ढांचा मजबूत करने की जरूरत है। इसके साथ ही ऊर्जा के नए स्रोत तलाशना भी जरूरी है। सौर ऊर्जा के साथ साथ समुद्र तटीय क्षेत्रों में पवन और जल ऊर्जा से बिजली पैदा करके ऊर्जा जरूरत को पूरा किया जा सकता है। नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करने से वायु प्रदूषण भी कम किया जा सकता है।

राष्ट्रपति चुनाव अगले माह, भारत और हिंद क्षेत्र के लिए भी अहम रहेंगे नतीजे

21 सितंबर को श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव होगा। यह चुनाव श्रीलंका के भविष्य, भारत तथा हिंद महासागरीय क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। छंदय यानी चुनाव। सिंहली-अंग्रेजी युग्म रचें, तो होगा छंदय-मोड। हमारा पड़ोसी राष्ट्र श्रीलंका इन दिनों छंदय मोड में है। एक महीने बाद 21 सितंबर को करीब एक करोड़ 70 लाख मतदाता विषम परिस्थितियों से गुजर रहे द्वीप-राष्ट्र का नया राष्ट्रपति चुनेंगे! बिसात बिछ चुकी है। पासे फेंके जा चुके हैं। वातावरण आवेशित है। दुविधा और संभ्रम की स्थिति है। हालांकि ज्यादातर खिलाड़ी सुपरिचित हैं। यों तो एक अनार के लिए बीमारों की संख्या 39 है, किंतु मुकाबले में मुख्यतः चार खिलाड़ी हैं। ये चार खिलाड़ी हैं- अनेक दलों का समर्थन प्राप्त, निवर्तमान राष्ट्रपति निर्दलीय प्रत्याशी रानिल विक्रमसिंघे, समागी जन बालवेगया के सजिथ प्रेमदासा, श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना के नमल राजपक्षे और जनता विमुक्ति पेरामुना के अनुरा कुमारा दिसानायके। इनमें पांच बार प्रधानमंत्री रह चुके 75 वर्षीय रानिल वरिष्ठतम हैं, जबकि नमल की आयु सबसे कम 38 वर्ष है। गौरतलब है कि श्रीलंका की राजनीति में राजपक्षे परिवार को स्वेच्छाचारी और एकाधिकारवादी माना जाता है। विगत संसदीय चुनाव में उसके पांच सदस्य जीते थे। महिंदा राजपक्षे बने प्रधानमंत्री, अनुज त्रयी गोटबाया राष्ट्रपति, चमल सिंचाई मंत्री, बेसिल वित्तमंत्री और पुत्र नमल खेलमंत्री। वर्ष 2022 में व्यापक जनाक्रोश राजपक्षे परिवार के पतन का कारण बना। यों तो रानिल सत्ताच्युत गोटबाया राजपक्षे की पसंद थे, लेकिन वक्त ने रानिल पर गोटबाया के भरोसे की चूलें हिला दी है। इसलिए उन्होंने युवा नमल को मैदान में उतारा है। विधि में सनतक नमल एसएलपीपी के 'पोस्टर ब्वॉय हैं। उन्हें मिले वोट से पता चलेगा कि अधिनायक-वृत्ति और स्वेच्छाचारिता के बावजूद श्रीलंकाई लोग राजपक्षे परिवार को कितना पसंद करते हैं पिछले दो दशकों से श्रीलंका में सत्ता की चाबी राजपक्षे परिवार के हाथों में है। लेकिन अरागलिया विद्रोह ने राजपक्षे परिवार के पांवों तले से जमीन खींच ली। एकबारगी लगा कि महिंदा पलायन को बाध्य होंगे, लेकिन कूचे से बेआबरू होकर निकलने की अटकलों के बीच उन्हें पूर्वोत्तर प्रांत के नौसैनिक अड्डे त्रिंकोमाली में मुकम्मल सुरक्षा मिल गई। राजपक्षे घराना फौजी हिफाजत में तबसे वहीं रह रहा है। श्रीलंका में चीन की रुचि और भारत को घेरने की उसकी कोशिशें किसी से छिपी नहीं हैं। चीन से राजपक्षे का मोह अब भी कायम है। 27 जून, 2024 को महिंदा चीन के विदेश मंत्री वांग के न्यौते पर बीजिंग गए थे। वहां वह चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिले। फिर उनकी चीनी प्रधानमंत्री ली छियांग से ऋण पुनर्गठन मसौदे पर भी चर्चा हुई। कहना कठिन है कि महिंदा और चीनी नेताओं के बीच चुनाव और भावी राजनीति को लेकर क्या खिचड़ी पकी, लेकिन इस बाबत महिंदा की चुप्पी अटकलें पैदा करती है।

ADHUNIK TUTORIALS

("FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT")

FOR CLASSES 1st-5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

OUR TEAM

- Air conditioned well Furbished classrooms- Dr.(Er)Puneet Arora (DIRECTOR)
- Water cooler available - (B.Tech, M.Tech, MBA, Ph.D)
- Hygienic washrooms - Awarded with 'Young Scientist & Best
- CCTV for safety purposes - Teachers, Author of Many Books
- In campus parking - Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethony Convent School , Bishop Johnson School & College, Girls school & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the field of Web Development and Machine Learning.

Ms.Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School .
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad.

Contact
Call and Whatsapp: 8542919234

Address: B-Block ADA Colony, Mtek Campus (NITC) Naini Prayagraj.

जेपी पावर प्लांट में चोरी के सात आरोपी गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सदर कोतवाली पुलिस ने चुर्क क्षेत्र स्थित जेपी पावर प्लांट के आवासीय परिसर और प्लांट में आए दिन हो रही चोरी के मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। जिन्हे न्यायालय भेज दिया गया है।पुलिस के मुताबिक कुछ दिन पूर्व श्यामलाल तिवारी ने तहरीर देकर बताया था कि वे जेपी पावर प्लांट चुर्क में वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। जहां चुर्क क्षेत्र में कंपनी के प्लांट, आवासीय परिसर सहित अन्य जगहों पर अक्सर चोरियां हो रही हैं।चार दिन पहले प्लांट से चोरों ने लोहे की 15 से 20 पाइपें चोरी कर ले गए। मामले में पुलिस केस दर्ज कर सदर कोतवाल सतेंद्र राय के नेतृत्व में जांच में जुटी थी। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम ने चोरी के मामले में सात आरोपितों को चोपन थाना के मारकुण्डी (कोनियवा) निवासी विनय कुमार, धर्मशाला चौक के मनीष गुप्ता, चुर्क निवासी छोटू सोनकर, नई बस्ती चुर्क के नसीम अहमद, आशीष कुमार, घोरावल के ओदार निवासी चंद्रप्रकाश उर्फ गुड्डू मौर्या, इंद्रपुरी कालोनी निवासी अनुराग गुप्ता को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार किया है। पाइप और चोरी में उपयोग में लाया गया टेंपो बरामद की किया गया है। टीम में चौकी प्रभारी चुर्क सुनील कुमार, हेड कांस्टेबल अमरजीत यादव, संजय कुमार, वकील कुमार, कांस्टेबल अजीत कुमार, मनीष यादव शामिल रहे।

जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल ने सोनभद्र में बंधवाई राखी, बहन ने तिलक लगाकर उतारी आरती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोनभद्र जिले के आमडीह में अपनी बहन से राखी बंधवाई। वे बहन के घर एक दिन पहले ही राखी बंधवाने पहुंच गए थे। सोमवार को दोपहर बाद शुभ मुहूर्त में उन्होंने राखी बंधवाई। जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा को सोनभद्र के आमडीह में बहन आभा राय ने राखी बांधी। बहन से राखी बंधवाने उप राज्यपाल रविवार को ही आमडीह पहुंच गए थे। दोपहर में भद्रा काल खत्म होने के बाद बहन ने उन्हें राखी बांधी और तिलक लगाकर आरती उतारी। इसके बाद उप राज्यपाल वाराणसी के लिए रवाना हो गए। उप राज्यपाल की मौजूदगी को लेकर पुलिस प्रशासन चौकनन रहा। एक दिन पहले से ही गांव में सुरक्षा प्रबंध कड़े कर दिए गए थे। भारी फोर्स तैनात रही। इस दौरान वह मीडिया से दूर रहे। घर में भी पारिवारिक सदस्य और बेहद करीबी लोगों की ही मौजूदगी थी।

इजरायल ने मंजूर किया युद्धविराम प्रस्ताव, ब्लिंकन बोले हमास भी इसे स्वीकारे; नहीं तो यह आखिरी मौका

अमेरिका। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सोमवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बैठक के बाद कहा कि इजरायल ने गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई में आ रही रुकावटों को दूर करने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने हमास से भी ऐसा करने का आह्वान किया है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि प्रस्ताव के मसौदे में हमास द्वारा बताई गई चिंताओं का समाधान किया गया है या नहीं। इजरायल ने बंधक डील मामले में अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। हालांकि अमेरिकी प्रस्ताव पर हमास ने प्रतिक्रिया नहीं दी है। इजरायल के बाद ब्लिंकन मिस्र और कतर भी जाएंगे। ब्लिंकन ने चेतावनी भी दी कि इजरायल और हमास के बीच बंधकों की रिहाई के लिए शायद यह आखिरी मौका होगा। बता दें कि अमेरिका को मौजूदा वार्ता से काफी उम्मीदें हैं ब्लिंकन आगे की बातचीत के लिए मिस्त्र और कतर जाएंगे। तीनों मध्यस्थ गाजा में युद्ध को समाप्त करने की कोशिश में लगे हैं। ताजा दौर की वार्ता से अमेरिका को काफी उम्मीदें हैं। दोहा में गुरुवार और शुक्रवार को दो दिन वार्ता चली, अब आगे की वार्ता काहिरा में अगले हफ्ते शुरू होगी। मध्यस्थों ने वार्ता को सही दिशा में बताया है। हालांकि, हमास ने दोहा वार्ता के ताजा प्रस्ताव में इजरायल की शर्तों को मानने का आरोप लगाते हुए इसकी आलोचना की है। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से पश्चिम एशिया की अपनी नौवीं यात्रा पर रविवार को इजरायल पहुंच गए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि वर्तमान गाजा युद्धविराम और बंधकों की रिहाई को लेकर इजरायल और हमास के पास संभवतः यह अंतिम मौका है। इजरायली राष्ट्रपति का बड़ा आरोप गाजा युद्धविराम वार्ता को उसके अंजाम तक पहुंचाने की कोशिश में अमेरिका लगा हुआ है। विदेश मंत्री ब्लिंकन मंगलवार को काहिरा रवाना हो जाएंगे। ब्लिंकन ने इजरायली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से भी मुलाकात की। हर्जोग ने ब्लिंकन से बातचीत की शुरुआत हमास पर यह आरोप लगाते हुए की कि वह बंधकों की रिहाई में आनकानी कर वार्ता को विफल बनाने की कोशिश कर रहा है हर्जोग ने वार्ता में सहयोग को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ ही मिस्त्र और कतर की भी प्रशंसा की। वहीं, ब्लिंकन ने कहा कि यह युद्ध का एक महत्वपूर्ण क्षण है।युद्धविराम वार्ता के बीच इजरायल के तेल अवीव में रविवार रात एक शक्तिशाली बम विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया। इजरायल ने इसे आतंकी हमला बताया है। इस विस्फोट की जिम्मेदारी हमास और इस्लामिक जिहाद ने ली है। इजरायली पुलिस घटना की जांच कर रही है। इसी तरह इजरायली सेना ने कहा है कि सोमवार को लेबनान की सीमा से सटे उत्तरी इजरायल में हुए हमले में उसके एक सैनिक की मौत हो गई और एक घायल है।

U.S. Embassy Jerusalem

बॉलीवुड/टेली मसाला

मैं जिंदा हूं', मौत की अफवाह से परेशान श्रेयस तलपड़े ने जारी किया स्टेटमेंट, कहा- 'बेटी दुखी होती है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पिछले दिनों बॉलीवुड एक्टर श्रेयस तलपड़े के बारे में एक शॉकिंग न्यूज सुनने को मिल रही थी। इंटरनेंट पर ये अफवाह थी कि एक्टर, जिन्हें दिसंबर में दिल का दौरा पड़ा था, उनका निधन हो गया है। श्रेयस ने अब इस झूठी खबर पर रिएक्ट किया है। श्रेयस ने एक लंबी पोस्ट शेयर कर बताया है कि वो जिंदा हैं और उनकी मौत को लेकर उड़ रही खबरें गलत हैं। एक्टर ने गलत खबर पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि वैसे तो ह्यूमर जरूरी है, लेकिन इसका मिसयूज खतरनाक हो सकता है। उन्होंने कहा कि जो चीज एक जोक की तरह शुरू की गई थी, अब मेरी फैमिली को फालतू का स्ट्रेस और टेंशन दे रही है। श्रेयस तलपड़े अपनी कमाल की कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं। दिसंबर में एक्टर फिल्म वेलकम टू द जंगल की शूटिंग कर रहे थे जब उन्हें अचानक हार्ट अटैक आ गया था। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एक्टर फिलहाल ठीक हैं लेकिन सोशल मीडिया पर किसी ने उनकी मौत की झूठी खबर फैला दी जिससे एक्टर शॉक्ड हैं। श्रेयस ने अपनी पोस्ट में लिखा- 'मैं सभी को ये आश्वासन देना चाहता हूं कि मैं जिंदा हूं,खुश और हेल्दी हूं। मैंने एक पोस्ट देखी जिसमें दावा किया गया कि मैं मर चुका हूं। मैं जानता हूं मजाक अपनी जगह है,लेकिन जब इसका गलत इस्तेमाल होता है तब ये नुकसानदायक हो सकता है। किसी ने भले ही इसे जोक की तरह शुरू किया होगा लेकिन इसने मेरे परिवार को अनावश्यक परेशानी में डाल दिया है। उनके इमोशन्स के साथ ये खिलवाड़ है।' श्रेयस ने आगे लिखा- 'मेरी छोटी बेटी जो हर दिन स्कूल जाती है उसे मेरी हेल्थ की इतनी चिंता है। वो लगातार मेरे से पूछती रहती है कि मैं ठीक हूं। ये झूठी खबरें उसे और दुखी करती हैं और ज्यादा सवाल करने के लिए मजबूर करती हैं। जो लोग इस तरह का कंटेंट फैला रहे हैं वो इसे रोक दें। सोचिए कि इसका सामने वाले पर क्या प्रभाव पड़ेगा। कुछ लोग वास्तव में मेरी सेहत के लिए प्रार्थना करते हैं और इस तरह का मजाक उनका दिल दुखाने वाला है।' बता दें कि वेलकम टू द जंगल की शूटिंग के दौरान एक्टर को हार्ट अटैक आया था जिसके बाद उन्हें हॉस्पिटल एडमिट करवाया गया था।

अनुष्का शर्मा ने शेयर की वामिका और अकाय के पहले रक्षाबंधन की तस्वीर क्यूट राखी ने जीता फैंस का दिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पूरे देश में 19 अगस्त को रक्षाबंधन का त्योहार मनाया गया। इस बीच कई सेलेब्स ने भी अपने-अपने घर राखी सेलिब्रेट करते हुए कई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। वहीं एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने बेटे अकाय और बेटी वामिका की पहली राखी की तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की। अनुष्का शर्मा ने इस साल फरवरी में लंदन में अपने बेटे अकाय को जन्म दिया था। फिलहाल एक्ट्रेस परिवार के साथ अभी यूके में रह रही हैं। इस बीच राखी के खास मौके पर अनुष्का ने एक दिल छू लेने वाली तस्वीर शेयर की जिसे देखकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं।एक्ट्रेस ने जो तस्वीर शेयर की है उसमें कार के आकार की बुनी हुई राखियां हैं। उन्हें किनारों पर धागे से बांधा गया है। दोनों राखियों में काले और सफेद बटन हैं और ऊपर प्यारी सी आंखें बनी हुई हैं। एक राखी हरे रंग की,जबकि दूसरी नारंगी रंग की है। इसके साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा,हैप्पी रक्षाबंधन।बता दें कि वैसे तो अनुष्का शर्मा ने अपने दोनों बच्चों में से किसी की भी फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर नहीं की है लेकिन वो अक्सर उनकी क्यूट हरकतों की फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। इससे पहले उन्होंने अकाय और वामिका की पॉप्सिकल्स का आनंद लेते हुए एक तस्वीर पोस्ट की थी,जिसके जरिए फैंस को अकाय की पहली झलक देखने को मिली। फोटो में उनका छोटा सा हाथ दिखाई दे रहा था।एक्ट्रेस आने वाले समय में फिल्म चकदा एक्सप्रेस में नजर आएंगी। इसके अलावा उन्हें रब ने बना दी जोड़ी, एनएच 10 और जब हैरी मेट सेजल जैसी फिल्मों में अपने किरदार के लिए भी जाना जाता है।

क्या रॉकी भाई, क्या तारा सिंह 'स्त्री' के सामने सबने खड़े किये हाथ

ओ स्त्री रक्षा करना
K.G.F
CHAPTER

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 2018 में आई स्त्री फिल्म का एक वाक्य काफी लोकप्रिय हुआ था और आज भी मीम्स में इस्तेमाल किया जाता है। इस वाक्य को पंकज त्रिपाठी का किरदार बोलता है- वो स्त्री है, कुछ भी कर सकती है। छह साल बाद अब ये वाक्य स्त्री 2 के कलेक्शंस को देखते हुए एक बार फिर यादों में ताजा हो चला है। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर-कॉमेडी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड-दर-रिकॉर्ड बनाते हुए आगे बढ़ रही और अब 2024 की सबसे तेज 200 करोड़ जमा करने वाली फिल्म बन चुकी है। इस क्रम में इस मिड-साइज फिल्म ने केजीएफ 2, गदर 2 और बाहुबली 2 जैसी बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ा है। राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म थिएटर्स में धुआंधार रफ्तार से चल रही है। मैडॉक फिल्म्स के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की मूवी ने कमाई के कई पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिये हैं। पिछले कुछ अर्से से हिंदी बॉक्स ऑफिस पर दक्षिण भारतीय फिल्मों ने भी जोरदार बिजनेस किया है। स्त्री 2 उन फिल्मों को भी मुकम्मल जवाब दे रही है। यह सब तब है जबकि स्त्री मिड-साइज फिल्म है। इस साल कहने को तो ऋतिक रोशन, अक्षय कुमार, अजय देवगन जैसे सितारों की फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हुई, मगर ऐसी सफलता किसी को नहीं मिली। तेलुगु फिल्म कल्कि 2898 एडी ने जरूर हिंदी बॉक्स ऑफिस पर दम दिखाते हुए 200 करोड़ क्लब में दाखिला लिया था, मगर स्पीड के मामले में वो भी स्त्री 2 से कोसों दूर है।

क्या वाकई करण जौहर की फिल्म से निकाले गये थे अभिषेक बनर्जी स्त्री 2 एक्टर ने बताई सच्चाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। स्त्री 2 में जना का किरदार निभाने वाले कलाकार अभिषेक बनर्जी अपनी फिल्मों के अलावा एक विवाद को लेकर भी खबरों में आ गये हैं। एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में उन्होंने करण जौहर की फिल्म अगिन्पथ को लेकर कहा था कि इस फिल्म की कास्टिंग वो कर रहे थे, मगर बाद में उन्हें हटा दिया गया। अब इस पर विवाद बढ़ने के बाद अभिषेक ने इस मामले में सफाई देकर बताया कि असल में हुआ क्या था सोमवार को अभिषेक ने सोशल मीडिया में अपना एक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने विस्तार से अपनी बात रखी है। स्टेटमेंट में कहा गया है कि 2012 की फिल्म अगिन्पथ से अलग होने की वजह ये थी कि हम निर्देशक करण मल्होत्रा के विजन को समझ नहीं पाये थे। अनमोल और मैं उस वक्त काफी छोटे थे, 20-23 साल के रहे होंगे। किसी बड़ी कमर्शियल फिल्म के लायक हमारा अनुभव नहीं था। इसलिए मिस्टर मल्होत्रा की विजन को समझ पाने में हमसे चूक हुई थी।अभिषेक ने आगे कहा कि हमने कभी धर्मा प्रोडक्शंस पर कुछ गलत करने का आरोप नहीं लगाया। हकीकत तो यह है कि मैं धर्मा और करण जौहर का बहुत सम्मान करता हूं। मैंने कभी नहीं कहा कि मुझे हटाने के पीछे करण जौहर का हाथ था, लेकिन फिर भी कुछ रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है। यह फैसला असल में मिस्टर मल्होत्रा (अगिन्पथ के निर्देशक) की टीम ने लिया था और मैं इससे इत्तेफाक रखता हूं। अभिषेक ने आखिर में लिखा कि धर्मा ने मेरे और मेरी कम्पनी कास्टिंग बे के साथ हमेशा अच्छा ही किया है। अभिषेक स्त्री 2 के अलावा फिलहाल वेदा में भी नजर आ रहे हैं, जिसमें उन्होंने मुख्य विलेन का किरदार निभाया है।

निया शर्मा और क्रिस्टल डिसूजा ने एक-दूजे को बंधी राखी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। देशभर में सावन के आखिरी सोमवार यानी 19 अगस्त 2024 को धूमधाम के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जा रहा है। ऐसे में सोशल मीडिया पर हर कोई सेलिब्रेशन की फोटोज और वीडियो साझा कर रहा है। हाल ही में टीवी की बहनें यानी निया शर्मा और क्रिस्टल डिसूजा ने भी एक वीडियो शेयर किया है और एक-दूसरे पर खूब प्यार लुटाया है। निया और क्रिस्टल का सेलिब्रेशन बी-टाउन की एक्ट्रेसेस अपने भाइयों को तो राखी बांध ही रही है, लेकिन कुछ एक्ट्रेसेस ऐसी भी हैं जो एक-दूसरे को राखी बंध रही हैं। एक्ट्रेस निया शर्मा और क्रिस्टल डिसूजा ने ये त्योहार एक-दूसरे के साथ मनाया है। अभिनेत्रियों ने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा की है, जिसमें दोनों पूरी परंपरा के साथ राखी बांध रही हैं। इतना नहीं एक-दूसरे को गिफ्ट्स भी देती नजर आ रही हैं और कैप्शन में लिखा है- ''बहन हूं मैं तेरी, खून का रिश्ता है हमारा''। निया शर्मा अपने काम से ज्यादा अपने फैशन के लिए लोगों के बीच छाई रहती हैं। एक्ट्रेस ने साल 2010 में एक्टिंग की शुरुआत की थी। इतने सालों से वो छोटे पर्दे पर ही नजर आ रही हैं। अब हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर की हैं जिसमें उनके साथ क्रिस्टल डिसूजा भी नजर आ रही हैं।बता दें, निया और क्रिस्टल ने छोटे पर्दे पर 'एक हजारों में मेरी बहना है' में साथ काम किया था। तब से दोनों के बीच पक्की दोस्ती है। यह शो साल 2011 से 2013 तक चला था। लोगों ने इसे काफी पसंद किया गया था।'सुहागन चुड़ैल' में नजर आ रही हैं निया निया शर्मा इन दिनों टीवी शो 'सुहागन चुड़ैल' और 'लाफ्टर शेफ' के शो में नजर आ रही हैं। इससे पहले वह 'काली' , 'जमाई राजा', 'खतरों के खिलाड़ी' और 'झलक दिखला जा' जैसे कई शो में नजर आ चुकी हैं। क्रिस्टल डिसूजा की बात करें तो वो काफी समय से छोटे पर्दे से दूर है और फिल्म और वेब सीरीज में नजर आ रही हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म 'चेहरे' में भी काम किया हुआ है।

सिनेमा के जुनून से बनी सलीम-जावेद की जोड़ी, जिद से छुई बुलंदी, फिर क्यों टूटी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।गोल्डन एरा के सुहाने सिनेमा को सलीम-जावेद एंग्री यंग मैन के दौर में लेकर गये थे, जिसमें नायक रोने-गाने के बजाय दिल में एक आक्रोश लिये चलता था। सामाजिक विसंगतियों और सिस्टम की खामियों से जन्मा ये नायक दिल की आग से दुनिया को जलाने निकला था। समाज और सिस्टम से जूझ रहे आम दर्शक के मन की बात पर्दे पर आई तो सलीम-जावेद खुद भी स्टार बन गये। हीरो से ज्यादा फीस लेने का दम सलीम-जावेद की जोड़ी से पहले कोई राइटर ना दिखा सका था। फिल्मों के पोस्टर पर लेखक का नाम लिखे जाने के दौर का शुरू होना भी इसी जोड़ी की जिद का नतीजा था। हीरो जो भी हो, निर्देशक कोई भी हो, लेकिन फिल्म सलीम-जावेद के नाम से ही बिकती थी। आज के दौर में किसी फिल्म लेखक के लिए ऐसे स्टारडम की कल्पना करना भी मुश्किल है। प्राइम वीडियो की डॉक्युमेंट्री सीरीज 'एंग्री यंग मेन-द सलीम-जावेद स्टोरी' इस लेखक जोड़ी के उसी सुनहरे दौर में ले जाती है।लगभग 45 मिनट के तीन एपिसोड्स की सीरीज सलीम-जावेद के उदय, उत्थान और पतन के साथ निजी जिंदगी की झलक भी पेश करती है। सलमान खान फिल्म्स और फरहान अख्तर की कम्पनी एक्सेल एंटरटेनमेंट ने सीरीज का निर्माण किया है। सलीम खान और जावेद अख्तर भले ही अलग शख्सियत थे, मगर दोनों की जिंदगी तकरीबन एक जैसी रही। सलीम फिल्मों के असफल हीरो थे तो जावेद अख्तर संघर्षरत असिस्टेंट। दोनों ने बचपन में मां को खो दिया था। फिल्मों में करियर बनाने के लिए घर से भागे और संघर्ष किया। इस बारे में बात करते हुए जावेद अख्तर की आंखें नम भी होती हैं। 'सरहदी लुटेरा' की मेकिंग के दौरान दोनों मिले। पांच हजार रुपये में पहली फिल्म के लिए घोस्ट राइटिंग की और जोड़ी बन गई। अंदाज, हाथी मेरे साथ, सीता और गीता के बाद 1973 में जंजीर आई, जिसके जरिए सलीम-जावेद ने सिनेमा को एंग्री यंग मैन दिया। दीवार और त्रिशूल जैसी फिल्मों के साथ इसे आगे बढ़ाया। इन फिल्मों ने अमिताभ बच्चन के करियर परवान चढ़ाया और उन्हें सत्तर के दौर के सबसे सफल अभिनेता के रूप में स्थापित किया। 'जंजीर' से पहले अमिताभ फ्लॉप एक्टर थे। कोई हीरोइन उनके साथ काम नहीं करना चाहती थी। पुरुष प्रधान फिल्मों से परहेज करती रहीं जया भी निजी कारणों से ही 'जंजीर' का हिस्सा बनी थीं। ऐसे तथ्य सीधे संबंधित कलाकार के मुंह से सुनना इसे दिलचस्प बनाता है। अक्सर ऐसा माना जाता रहा है कि सलीम-जावेद ने उस वक्त की सामाजिक चेतना को ध्यान में रखते हुए 'एंग्री यंग मैन' के किरदार गढ़े, मगर डॉक्युमेंट्री में जावेद अख्तर इस धारणा को निराधार बताते हैं। इनके पीछे सम्भवतः उनका अपना संघर्ष और आक्रोश रहा होगा, जो किरदारों के गढ़ने में काम आया। सलीम-जावेद की लिखी फिल्मों में नायिका की भूमिकाएं काफी अहम रही है। खासकर, मां के किरदार। चाहे 'दीवार' की निरूपा राय हों या त्रिशूल की राखी। इस विषय पर बात करते हुए अस्सीवें पड़ाव में चल रहे सलीम खान इमोशनल नजर आते हैं। टीबी की बीमारी से अपनी मां से बचपन में ही दूर हो जाने के दौर को याद करते हुए उनके चेहरे पर दर्द महसूस किया जा सकता है। मां को लेकर मन में रही कसक सलीम के गढ़े गये किरदारों में नजर आती है। हॉलीवुड फिल्मों को कॉपी करने के आरोप सलीम-जावेद की जोड़ी जब बुलंदी पर थी तो उन पर हॉलीवुड फिल्मों से कंटेंट चुराने के आरोप लगे थे। इस बारे में सलीम खान बेबाकी से बात करते हैं। वो खुद बताते हैं कि शोले का सिक्के वाला दृश्य 1954 की हॉलीवुड फिल्म गार्डन ऑफ ईविल से प्रेरित था। शोले में जय सिक्का उछालकर फैसला करता है तो गार्डन ऑफ ईविल में ताश के पत्ते फेंटे जाते हैं। इस समानता पर सलीम कहते हैं कि उन्होंने कभी इस बात को नहीं छिपाया कि कहां से प्रेरणा ली है। हर वर्क तब तक ओरिजिनल रहता है, जब तक उसकी प्रेरणा के बारे में पता ना हो।एक लेखक जोड़ी के तौर पर 22 ब्लॉकबस्टर फिल्में देने के बाद जब ये जोड़ी टूटी तो सिनेमाघर मालिकों से लेकर निर्माता और कलाकार सभी सकते में आ गये थे, क्योंकि उस वक्त फिल्मों की कामयाबी काफी हद तक इस जोड़ी पर टिकी रहती थी। सलमान बताते हैं कि एक शाम सलीम घर पर आते हैं और मां सलमा को बताते हैं कि वो अलग हो रहे हैं। जोड़ी क्यों टूटी? इस बारे में सलीम और जावेद ने ना पहले कुछ बोला और ना ही डॉक्युमेंट्री में कुछ स्पष्ट कारण बताते हैं। जिस वक्त सलीम-जावेद की जोड़ी टूटी, लगभग उसी समय हनी ईरानी के साथ जावेद अख्तर की शादी भी टूटी थी। डॉक्युमेंट्री में इस बारे में बात की गई है। शबाना आजमी उस दौर को याद करते हुए बताती हैं कि उन्हें होम ब्रेकर कहा गया था, मगर उन्होंने इस पर कुछ नहीं बोला। हनी ईरानी की तारीफ करते हुए कहती हैं कि उन्होंने कभी बच्चों के सामने अपने पिता की नेगेटिव छवि नहीं बनने दी। सलीम खान भी हेलन के साथ अपनी दूसरी शादी के बारे में बात करते हैं। हेलन बताती हैं कि पहली बार दोनों फिल्म 'काबली खान' के सेट पर मिले थे। हेलन हीरोइन थीं और सलीम साहब विलेन। इस डॉक्युमेंट्री की सबसे अच्छी बात है कि यह फिल्म व्यवसाय में लेखकों की बदहाली की बात भी करती है। इस बारे में इंडस्ट्री के जानकारों के भी इंटरव्यूज हैं। अंत में कुछ उभरते हुए लेखकों के जरिए उनके सामने पेश आने वाले आर्थिक संघर्ष का मुद्दा उठाती है, जिसके लिए सलीम-जावेद ने अपने दौर में अपने तरीके से लड़ाई लड़ी थी। यह विडम्बना ही है कि पूरी फिल्म स्क्रिप्ट पर टिकी होती है, मगर लेखक को ही उसकी मेहनत का पूरा सम्मान नहीं मिलता।इन दिग्गज लेखकों की फिल्मों और जीवन के बारे में पहले से ही इतनी ज्यादा जानकारी पब्लिक डोमेन में मौजूद है कि ऐसे मौके कम ही आते हैं, जब सीरीज देखते हुए कोई बात हैरान करे। हालांकि, इन किस्सों को जब वो बताते हैं या दूसरे सेलिब्रिटीज के इंटरव्यूज के जरिए ये बातें सामने आती हैं तो जानते हुए भी दिलचस्पी बनी रहती है। फिर भी कुछ बातें अधूरी रह जाती हैं। हिंदी सिनेमा की ब्लॉकबस्टर जोड़ी के बीच दरार क्यों आई? इसका मुकम्मल जवाब नहीं मिलता या शायद कोई जवाब है ही नहीं। डॉक्युमेंट्री में जितना दिखाया गया है, उसमें ईमानदार रहने की पूरी कोशिश नजर आती है। मसलन, बैक-टू-बैक हिट फिल्में देने के बाद सलीम-जावेद की एरोगेंस पर भी डॉक्युमेंट्री बात करती है। इस हिस्से में हनी ईरानी और जया बच्चन की बातें सुनने लायक हैं। 'एंग्री यंग मेन' में फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई कलाकारों और मीडिया से जुड़े लोगों के इंटरव्यूज के जरिए सलीम-जावेद के दौर की बात की गई है। रमेश सिप्पी, अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, शत्रुघ्न सिन्हा, जया बच्चन, हेमा मालिनी, आमिर खान, ऋतिक रोशन, यश के साथ सलमान खान, अरबाज खान, फरहान अख्तर, जोया अख्तर, रीमा कागती, राजकुमार हीरानी, अभिजात जोशी और फिल्म व्यवसाय से जुड़े तमाम लोगों के इंटरव्यूज शामिल किये गये हैं। निरूपा राय और यश चोपड़ा के फाइल इंटरव्यूज हैं। हीरो बनने आये सलीम खान के अदाकारी के सफर को दिखाते कुछ विंटेज फोटो डॉक्युमेंट्री को आकर्षक बनाते हैं। वहीं, दोनों लेखकों के पारिवारिक लम्हों के दृश्य भी डॉक्युसीरीज में देखने को मिलते हैं। सलीम-जावेद जैसे लेखकों की डॉक्युमेंट्री देखते समय उम्मीद रहती है कि स्क्रीनप्ले राइटिंग जैसी विधा के बारे में कुछ बारीकियां मालूम होंगी, मगर वो इसमें मिसिंग रहता है। डॉक्यु-सीरीज सिर्फ पर्दे के इस पार की बात करती है, पर्दे के पीछे की दुनिया पर ज्यादा रोशनी नहीं डालती। डॉक्युमेंट्री की एडिटिंग दिलचस्प है। दृश्यों को बातचीत के साथ जिस तरह पिरोया है, उसने सीरीज को किसी फिल्म की तरह लुक दिया है।

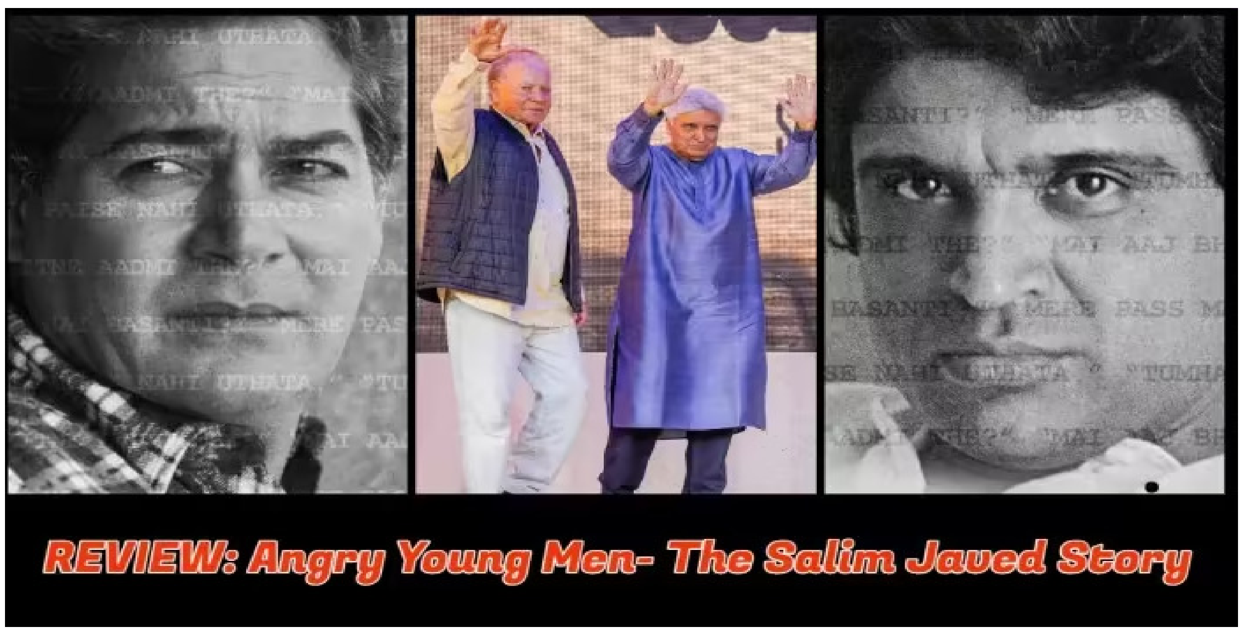
REVIEW: Angry Young Men- The Salim Javed Story

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपीएसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।